# नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली, बुधवार
19 मार्च 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 19 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579


## दिहुली हत्याकांड: 44 साल बाद तीन को फांसी की सजा

### फैसला सुन रोने लगे दोषी, 24 दलितों की हुई थी सामूहिक हत्या

मैनपुरी। जसराना के गांव दिहुली में 24 दलितों की हत्या कर दी गई थी। मामले में 44 साल बाद अब न्यायालय का फैसला आया है। सामूहिक हत्याकांड के लिए दोषी मानते हुए तीन को फांसी सजा सुनाई गई है। एडीजे विशेष डकैती कोर्ट ने मामले में फैसला सुनाया है।

फिरोजाबाद के जसराना के गांव दिहुली में 18 नवंबर 1981 को हुई 24 दलितों की सामूहिक हत्या में मंगलवार को कोर्ट ने तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। इसके साथ ही दो दोषियों पर दो-दो लाख और एक दोषी पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया। कोर्ट से आदेश होने के बाद पुलिस तीनों को जिला कारागार मैनपुरी ले गई। वहां उन्हें दाखिल किया गया।

एडीजे विशेष डकैती इंदिरा सिंह की अदालत में सुबह 11.30 बजे दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को मैनपुरी जिला कारागार से भारी सुरक्षा के बीच लाकर पेश किया गया। इनकी पेशी के बाद 12.30 बजे करीब फिर से इनको दीवानी की अदालत में भेज दिया गया।

लंच बाद कोर्ट से फिर इनकी पुकार हुई। दोपहर 3 बजे तीनों दोषियों को फिर से पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में अभियोजन की ओर से रोहित शुक्ला ने तमाम दलीलें पेश करते हुए नरसंहार के साक्ष्यों और गवाही का हवाला देते हुए फांसी की मांग की। **शेष पेज 2 पर**

### दिहुली कांड की टाइमलाइन

- नवंबर 1981 को दिहुली में 24 लोगों की गोलियों से भूनकर हत्या हुई
- 18 नवंबर 1981 की रात को जसराना थाने में मुकदमा दर्ज हुआ
- 26 फरवरी 1982 तक मुख्य आरोपी राधे और संतोषा सहित 15 आरोपियों की गिरफ्तारी
- 26 फरवरी 1982 को चार्जशीट कोर्ट में दाखिल
- 13 मई 1982 को कोर्ट में आरोपियों पर चार्ज फ्रेम
- 5 मई 1983 को मुकदमा हाईकोर्ट के आदेश पर प्रयागराज की सेशन कोर्ट ट्रांसफर
- 19 अक्तूबर 2024 को बहस के लिए मुकदमा फिर से मैनपुरी सेशन कोर्ट में ट्रांसफर
- 11 मार्च 2025 को तीन आरोपी दोषी करार
- 18 मार्च 2025 को दोषियों को सुनाई गई सजा

### लोकसभा में पीएम मोदी ने 1857 की क्रांति से की महाकुंभ की तुलना, कहा-

## पूरे विश्व ने भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है।

लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रयागराज में हुए महाकुंभ पर वक्तव्य देने के लिए उपस्थित हुआ हूं। आज मैं सदन के माध्यम से देशवासियों को कोटि-कोटि नमन करता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार, समाज के सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देश भर के श्रद्धालुओं, उत्तर प्रदेश व विशेष रूप से प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं। पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। यह जनता जनार्दन का, जनता जनार्दन के संकल्पों के लिए, जनता जनार्दन की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था...महाकुंभ में हमने हमारी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत के इतिहास में ऐसा ही क्षण था, जैसा 1857 की क्रांति, भगत सिंह का बलिदान और गांधी का डांडी मार्च था।

**शेष पेज 2 पर**

## महाकुंभ पर जैसे ही संसद में पीएम मोदी ने शुरू किया बोलना, विपक्ष ने किया वॉकआउट

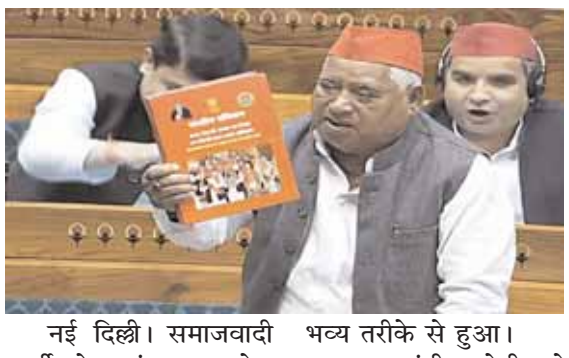

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा कि प्रधानमंत्री ने एकतरफा बयान दिया और सदन से चले गए। बेहतर होता कि महाकुंभ पर बड़ी चर्चा होती... नेताजी की सरकार में महाकुंभ हुआ, अखिलेश यादव के नेतृत्व में भी हुआ और इन सरकारों में महाकुंभ का आयोजन बहुत अच्छे और भव्य तरीके से हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में महाकुंभ पर लोकसभा को संबोधित किया और भव्य आयोजन के लिए सभी का आभार जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महाकुंभ के दौरान पूरी दुनिया ने भारत की भव्यता देखी। उन्होंने कहा कि मैं प्रयागराज में महाकुंभ की सफलता में योगदान देने वाले देश के करोड़ों लोगों को नमन करता हूं।

**शेष पेज 2 पर**

### गाजा में युद्धविराम के बाद इस्राइल का

## सबसे बड़ा हवाई हमला, कम से कम 413 लोगों की मौत

गाजा । इस्राइल ने बुरेजी इलाके में शरणार्थी कैंपों पर हमले किए। विस्थापित फलस्तीनियों ने एक स्कूल में शरण ली हुई थी, उस स्कूल को भी निशाना बनाया गया। हमले से पहले इस्राइल ने गाजा में खाने, दवाई, ईंधन आदि की सप्लाई भी रोक दी है, जिससे गाजा में भुखमरी के हालात पैदा हो गए हैं।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस्राइल द्वारा आज सुबह किए गए हवाई हमलों में कम से कम 413 लोग मारे गए हैं। युद्धविराम के बाद गाजा में किया गया यह अब तक का सबसे बड़ा हमला है। जिसमें इतने लोगों की मौत हुई है। वहीं हमास ने चेतावनी दी है कि गाजा में इस्राइल के नए हमले युद्ध विराम का उल्लंघन हैं और

यह बंधकों के जीवन को खतरे में डाल सकता है। इसके साथ ही इस्राइल ने लोगों से गाजा पट्टी खाली करने के लिए कहा है।

फलस्तीनी अधिकारियों ने हमले में कम से कम 413 लोगों की मौत की जानकारी दी है। मध्य गाजा स्थित अल-अक्सा मार्टर अस्पताल आधारित मंत्रालय के प्रवक्ता खलील देगरान ने मंगलवार सुबह अद्यतन आंकड़े उपलब्ध कराए। कहा जा रहा है जनवरी में युद्धविराम के प्रभावी होने के बाद से यह गाजा में अब तक का सबसे भीषणतम हमला है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि युद्धविराम को बढ़ाने के लिए वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं होने के कारण उन्होंने हमले का आदेश दिया। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, इजराइल अब सैन्य ताकत बढ़ाकर हमास के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

**हमास ने युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का लगाया आरोप**- इस्राइल ने इस हवाई हमले की वजह हमास द्वारा लगातार बंधकों की रिहाई से इनकार को बताया। इस्राइल ने हमास आतंकियों पर हवाई हमलों को अंजाम देने की बात कही। वहीं इस्राइल के हमले के बाद गाजा पट्टी में स्कूल बंद कर दिए गए। हमास ने इस्राइल पर युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। हमास ने बयान जारी कर कहा कि नेतन्याहू और उनकी कट्टरपंथी सरकार ने युद्धविराम समझौते का उल्लंघन किया है, जिससे बंधकों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा गए हैं।

**शेष पेज 2 पर**

## मुझे माफ कर दें...बीजेपी संग गठबंधन की चाह में उद्धव ने क्या-क्या किया, एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद में कर दिया खुलासा

सीएम एकनाथ शिंदे ने अंदरूनी कहानी का खुलासा करते हुए कहा ति उद्धव ठाकरे ने दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की और कहा, 'कृपया मुझे माफ करें। हम फिर से आपके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं।' लेकिन मुंबई लौटने के बाद उन्होंने अपना रुख बदल दिया।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद में सनसनीखेज दावा करते हुए खुलासा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दिल्ली में एक बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी मांगी थी और भाजपा के साथ सरकार बनाने की इच्छा जताई थी। शिंदे ने कहा कि हालांकि, मुंबई लौटने पर ठाकरे अपनी बात से मुकर गए।

सीएम एकनाथ शिंदे ने अंदरूनी कहानी का खुलासा करते हुए कहा ति उद्धव ठाकरे ने दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की और कहा, 'कृपया मुझे माफ करें। हम फिर से आपके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं।' लेकिन मुंबई लौटने के बाद उन्होंने अपना रुख बदल दिया।

**शेष पेज 2 पर**

## जम्मू-कश्मीर के बिगड़ते हालात को देखते हुए पूरे जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हाई अलर्ट जारी किया गया

हम आपको बता दें कि रहमान, जनवरी 2023 में राजौरी में सात लोगों की हत्या और जून 2024 में रियासी में नौ तीर्थयात्रियों की हत्या सहित जम्मू कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा वांछित था।

आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर के मारे जाने समेत पाकिस्तान में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर पूरे जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हाई अलर्ट जारी किया गया है। सुरक्षा प्रतिष्ठान के अधिकारियों ने बताया कि राजनीतिक नेताओं सहित सुरक्षा प्राप्त सभी व्यक्तियों को चौकस रहने और अपनी

सुरक्षा के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों को क्षेत्र में गश्त और तलाश अभियान तेज करके, विशेष रूप से आसान लक्ष्यों पर किसी भी हमले को अंजाम देने के राष्ट्र विरोधी तत्वों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए कड़ी निगरानी और असाधार सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण और लश्कर के शीर्ष कमांडर जिया-उर-रहमान उर्फ नदीम उर्फ अबू कताल उर्फ कताल सिंधी की हत्या सहित हाल में हुए कई आतंकवादी हमलों के बाद सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है **शेष पेज 2 पर**

### नागपुर हिंसा | नागपुर हिंसा पर तेज हुई सियासतनितेश राणे ने अबू आजमी को ठहराया जिम्मेदार

## उद्धव ने बीजेपी के हिंदुत्व के दावों को दी चुनौती

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने नागपुर में हाल ही में हुई हिंसा के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को दोषी ठहराया है। उन्होंने दावा किया है कि यह घटना राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए पूर्व नियोजित थी। मीडिया से बात करते हुए राणे ने कहा अबू आजमी इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। उन्होंने इस मुद्दे को शुरू किया और यह सरकार की छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से हिंसा की एक पूर्व नियोजित कार्रवाई थी।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को भाजपा शासित महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद का फायदा उठाकर विकास संबंधी अपनी उपलब्धियों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है। उन्होंने

केंद्र और राज्य सरकार के निष्क्रिय रहने के फैसले पर सवाल उठाया और कहा कि जब उनके पास ताकत है तो वे कब्र को हटाने में असमर्थ हैं। ठाकरे ने भाजपा के हिंदुत्व के रुख पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार कहती है कि वह औरंगजेब की मजार को नहीं हटा सकती क्योंकि यह केंद्र द्वारा संरक्षित है। तो फिर आप प्रधानमंत्री मोदी से क्यों नहीं कहते कि वे गुजरात में जन्मे औरंगजेब की मजार को हटा दें? उन्होंने भाजपा के इस दावे को भी चुनौती दी कि आरएसएस के गढ़ नागपुर में हिंदू असुरक्षित हैं। नागपुर में आरएसएस का मुख्यालय है, जो हिंदुओं का रक्षक होने का दावा करता है। वहां हिंदू कैसे खतरे में हो सकते हैं? अगर यह पहले से ही योजनाबद्ध घटना थी, तो आपका गृह मंत्रालय क्या कर रहा था?महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने नागपुर में हाल ही में हुई हिंसा के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को दोषी ठहराया है। उन्होंने दावा किया है कि यह घटना राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए पूर्व नियोजित थी। मीडिया से बात करते हुए राणे ने कहा अबू आजमी इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। उन्होंने इस मुद्दे को शुरू किया और यह सरकार की छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से हिंसा की एक पूर्व नियोजित कार्रवाई थी। उन्होंने हिंसा की निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि पुलिस अधिकारियों पर हमला करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**शेष पेज 2 पर**

## बिहार उत्सव 2025: दिल्ली में सजेगा बिहार की संस्कृति, कला और परंपरा का अद्भुत संगम; 16 से 31 मार्च तक आयोजन

पटना। बिहार भवन के रेजिडेंट कमिश्नर कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार उत्सव केवल कला और संस्कृति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह बिहार की समृद्ध विरासत को देश-दुनिया से जोड़ने का एक जीवंत मंच है। हमें विश्वास है कि यह आयोजन दिल्लीवासियों के मन में बिहार की अनूठी पहचान को और मजबूत करेगा। राजधानी दिल्ली में बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कलाओं और विविध हस्तशिल्प की अनूठी झलक प्रस्तुत करने के लिए 'बिहार उत्सव 2025' का भव्य आयोजन 16 मार्च से 31 मार्च तक दिल्ली हाट, आईएनए में किया जा रहा है। यह उत्सव न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि बिहार के कारीगरों, बुनकरों और शिल्पकारों के लिए एक मंच है, जहां वे अपने पारंपरिक हुनर को देश-दुनिया के समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। 22 मार्च को बिहार दिवस के अवसर पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति की जाएगी, जिसमें पारंपरिक लोक नृत्य और संगीत कार्यक्रमों के जरिए बिहार की सांस्कृतिक विविधता को जीवंत किया जाएगा। यह आयोजन दर्शकों को बिहार की लोक परंपराओं से सीधे जोड़ने का प्रयास करेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार भवन के रेजिडेंट कमिश्नर कुंदन कुमार (आईएएस) द्वारा किया गया। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में शेखर आनंद (आईएएस), डायरेक्टर, टेक्निकल डेवलपमेंट उपस्थित रहे। इस अवसर पर रेजिडेंट कमिश्नर कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार उत्सव केवल कला और संस्कृति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह बिहार की समृद्ध विरासत को देश-दुनिया से जोड़ने का एक जीवंत मंच है। हमें विश्वास है कि यह आयोजन दिल्लीवासियों के मन में बिहार की अनूठी पहचान को और मजबूत करेगा।

# 'नई सरकार से लोगों को बहुत उम्मीदें हैं' विधानसभा में ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उद्घाटन में ओम बिरला बोले

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा को 'मॉडल' विधानसभा के रूप में विकसित करने का आह्वान किया है। उन्होंने नव-निर्वाचित विधायकों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक प्रौद्योगिकी उपकरणों के साथ खुद को बेहतर बनाने का आग्रह किया।

दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नवनिर्वाचित विधायकों के लिए उद्घाटन किया। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी कार्यक्रम में मौजूद हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा को 'मॉडल' विधानसभा के रूप में विकसित करने का आह्वान किया है। उन्होंने नव-निर्वाचित विधायकों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक प्रौद्योगिकी उपकरणों के साथ खुद को बेहतर बनाने का आग्रह किया।

बिरला ने कहा कि एक अच्छा वक्ता सबसे अच्छा श्रोता भी होता है। उन्होंने विधायकों से विधानसभा के विधायी कार्यों में भाग लेने के लिए समय निकालने का आग्रह किया।

बिरला ने कहा कि लोगों को विधायकों और राजधानी की नई सरकार से बहुत उम्मीदें हैं। राजधानी के रूप में दिल्ली एक 'मिनी इंडिया' की तरह है। जो विभिन्न राज्यों के लोगों की विविधता का प्रतिनिधित्व करती है। जो विविध भाषाओं, संस्कृति और धर्मों के साथ यहां रहते हैं। ओरिएंटेशन कार्यक्रम लोगों की अपने विधायकों और नई सरकार से उच्च अपेक्षाओं को पूरा करने के तरीके सीखने में मददगार होगा।

उद्घाटन सत्र में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और दिल्ली के सांसद भी मौजूद थे।

## दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा की बढ़ीं मुश्किलें, कथित भड़काऊ भाषण मामले पर हाईकोर्ट से बड़ा झटका

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

नई दिल्ली । कथित भड़काऊ भाषण मामले पर दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा की याचिका पर हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया है। अदालत ने ट्रायल कोर्ट द्वारा मिश्रा को दोषी करार दिए जाने के आदेश पर स्टे लगाने से इनकार कर दिया।

दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने जारी नोटिस जारी किया है। अदालत ने ट्रायल कोर्ट द्वारा मिश्रा को दोषी करार दिए जाने के आदेश पर स्टे लगाने से इनकार करते हुए मामले को 19 जुलाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है।

हाल ही में राउज एवेन्यू कोर्ट ने वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान दो समुदायों के बीच विद्वेष बढ़ान के आरोप में कपिल मिश्रा को दोषी करार दिया था।

इस आदेश के खिलाफ कपिल मिश्रा ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रविंद्र डुडेजा की अदालत कर रही है।

## पेज एक का शेष...

### दिहुली हत्याकांड: 44 साल बाद तीन को फांसी की सजा

कोर्ट ने साक्ष्यों और गवाही के आधार पर उस भयावह नरसंहार के दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को फांसी की सजा सुनाई। कप्तान सिंह, रामसेवक को दो-दो लाख और रामपाल को एक लाख रुपये के जुमार्ने से भी दंडित किया गया।

सजा सुनते ही तीनों के चेहरों पर मायूसी छा गई। यह रोने लगे। कोर्ट के बाहर इनके परिजन भी मौजूद थे, वह भी रोने लगे। इसके बाद पुलिस ने इन्हें जेल ले जाकर दाखिल कर दिया।

30 दिन के अंदर कर सकते हैं हाईकोर्ट में अपील- फांसी की सजा पाने वाले रामपाल, रामसेवक और कप्तान सिंह अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए फांसी की सजा के खिलाफ 30 दिन के भीतर हाईकोर्ट में अपील भी कर सकते हैं। हाईकोर्ट सेशन कोर्ट के फैसले की समीक्षा के बाद अपना निर्णय लेकर फांसी की सजा को बरकरार रख सकती है या फिर सजा में संशोधन भी किया जा सकता है।

14 दिन जेल की क्वारंटीन बैरक में रहेंगे दोषी-कोर्ट द्वारा सजा सुनाकर जेल भेजे गए तीनों दोषियों को पहले 14 दिन के लिए क्वारंटीन बैरक में रखा जाएगा। मंगलवार शाम जेल पहुंचते ही उनको इस बैरक में भेज दिया गया। यहां उनकी नियमित निगरानी होगी। जांचा जाएगा कि वह समय से खाना-पीना ले रहे हैं या नहीं, सो रहा है या नहीं। 14 दिन के बाद उसको नियमित बैरक में भेजा जाएगा।

सजा पाने से पहले ही जेल में बेचैनी भरी रही तीनों की रात-दिहुली कांड के दोषी रामपाल, रामसेवक और कप्तान सिंह जिला कारागार मैनपुरी में सोमवार की रात को करवटें बदलते रहे। वह अपनी सजा के बारे में ही सोचते रहे। कप्तान सिंह सबसे अधिक बेचैन था। जिला कारागार के कर्मियों के अनुसार इन तीनों की नियमित निगरानी भी की जा रही थी। मंगलवार को तीनों समय से उठे और नित्य क्रिया के बाद कोर्ट जाने को तैयार हो गए। मगर, इनके चेहरों पर सजा पाए का अजीब सा खौफ साफ दिखाई दे रहा था। सोमवार शाम को खाना भी कम ही खाया था।

कोर्ट में रही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था-एडीजे विशेष डकैती इंदिरा सिंह की कोर्ट में मंगलवार को सुबह 11.30 बजे दोषी कप्तान, रामपाल और रामसेवक को जेल से पुलिस भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कोर्ट लेकर पहुंची। तीनों को अदालत में पेश किया गया। अदालत में उस वक्त किसी को भी प्रवेश नहीं दिया गया। कोर्ट के बाहर भी भारी सुरक्षा बल तैनात रहा। पुलिस ने चप्पे-चप्पे पर निगाह रखी।

दोषियों के परिजन भी आए-दोषी रामपाल, रामसेवक और कप्तान के परिजन भी सुबह ही कोर्ट में पहुंच गए। हालांकि पुलिस के कड़े पहरे के चलते परिजन की खुले तौर पर किसी से बात नहीं हो पाई। परिजन भी अपनी सुरक्षा को देखते हुए किसी भी यह बताने से कतराते रहे कि वह दोषियों के परिवार से हैं।

यह हुई थी वारदात-फिरोजाबाद जनपद के जसराना थाना क्षेत्र के ग्राम दिहुली (घटना के समय मैनपुरी का हिस्सा) में 24 दलितों की सामूहिक हत्या कर दी गई थी। वर्ष 1981 में 18 नवंबर की शाम 6 बजे की यह घटना थी। डकैत संतोष और राधे के गिरोह ने एक मुकदमे में गवाही के विरोध में हथियारों से लैस होकर दिहुली गांव में घुसकर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों पर गोलियां चलाई गई थी। इसमें 24 लोगों की मौत हुई थी। बदमाशों ने हत्या करने के बाद लूटपाट भी की थी। रिपोर्ट दिहुली के लायक सिंह ने 19 नवंबर 1981 को थाना जसराना में दर्ज कराई थी। थाना जसराना में राधेश्याम उर्फ राधे, संतोष सिंह उर्फ संतोषा के अलावा 20 लोगों के खिलाफ दर्ज हुई थी। मैनपुरी से लेकर इलाहाबाद तक यह मामला कोर्ट में चला। इसके बाद 19 अक्तूबर 2024 को बहस के लिए मुकदमा फिर से मैनपुरी सेशन कोर्ट में ट्रांसफर किया गया। जिला जज के आदेश पर विशेष डकैती कोर्ट में इसकी सुनवाई हुई।

इन 20 के खिलाफ दर्ज हुआ था केस, 13 की हो चुकी है मौत-इस नरसंहार को अंजाम देने के आरोप में गिरोह सरगना संतोष उर्फ संतोषा और राधे सहित गैंग के सदस्य कमरुद्दीन, श्यामवीर, कुंवरपाल, राजे उर्फ राजेंद्र, भूरा, प्रमोद राना, मलखान सिंह, रविंद्र सिंह, युधिष्ठिर पुत्र दुर्गपाल सिंह, युधिष्ठिर पुत्र मंशी सिंह, पंचम पुत्र मंशी सिंह, लक्ष्मी, इंदल और रुखन, ज्ञानचंद्र उर्फ गिन्ना, कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल पर मुकदमा दर्ज हुआ था। लक्ष्मी, इंदल और रुखन, ज्ञानचंद्र उर्फ गिन्ना, कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को छोड़कर सभी की मौत हो चुकी है इनकी मौत के संबंध में कोर्ट में फौती रिपोर्ट भी दाखिल हो चुकी है।

यह हैं अभी फरार

लक्ष्मी, इंदल और रुखन, ज्ञानचंद्र उर्फ गिन्ना अभी फरार हैं। इनकी फाइल को अलग कर दिया है। अब पुलिस या तो इनको गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करेगी या फिर इनके विषय में पड़ताल करेगी। अगर, इनकी मौत हो चुकी है तो इनकी फौती रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर मुकदमे की फाइल को बंद कराएगी।

इन 24 दलितों की हुई थी हत्या

ज्वाला प्रसाद, रामप्रसाद, रामदुलारी, श्रृंगार वती, शांति, राजेंद्री, राजेश, रामसेवक, शिवदयाल, मुनेश, भरत सिंह, दाताराम, आशा देवी, लालाराम, गीतम, लीलाधर, मानिकचंद्र, भूरे, कुं. शीला, मुकेश, धनदेवी, गंगा सिंह, गजाधर व प्रीतम सिंह की हत्या हुई थी।

इन पांच की गवाही के बल पर अदालत ने सुनाई सजा

इस चर्चित नरसंहार में कोर्ट में तथ्य के गवाह के तौर पर लायक सिंह, वेदराम, हरिनरायण, कुमर प्रसाद, बनवारी लाल की गवाही हुई। हालांकि इन सभी की अब मौत हो चुकी है। मगर, इनकी गवाही के सहारे ही पूरा केस कोर्ट में टिका रहा और अदालत ने दोषियों को सजा सुनाई। गवाह कुमर प्रसाद की गवाही सबसे अहम रही। उन्होंने बतौर चश्मदीद कोर्ट में अपनी गवाही दी थी। कुमर प्रसाद की गवाही में नरसंहार और वेदराम की गवाही में हत्याओं के साथ ही लूट का भी उल्लेख था।

**रामसेवक और कप्तान सिंह को इन धाराओं में सजा**

आईपीसी 148 (घातक हथियारों से लैस होकर उपद्रव करना) के तहत तीन साल की कैद

आईपीसी 302 (हत्या) और 149 (विधि विरुद्ध जमावड़ा) के तहत फांसी की सजा और एक लाख रुपये का जुमार्ना

आईपीसी 307 (जानलेवा हमला) के तहत आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये का जुमार्ना

आईपीसी 449 (किसी के घर में घुसकर अपराध को अंजाम देना) और 450 (गृह अतिचार) के तहत आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा

रामपाल को इन धाराओं में सुनाई गई सजा

आईपीसी 120 बी (आपराधिक षड्यंत्र करना) और आईपीसी 302 (हत्या करना) के तहत आजीवन कारावास और एक लाख रुपये जुमार्ने की सजा

### पूरे विश्व ने भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए

इन घटनाओं ने देश को एक नया मोड़ दिया और ऐसा ही महाकुंभ के विशाल आयोजन से भी हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है। आज पूरे विश्व में जब बिखराव की स्थितियां हैं, उस दौर में एकजुटता का ये विराट प्रदर्शन हमारी ताकत है। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है, ये हम हमेशा कहते आए हैं और इसी के विराट रूप का अनुभव हमने प्रयागराज महाकुंभ में किया है। हमारा दायित्व है, अनेकता में एकता की इसी विशेषता को हम निरंतर समृद्ध करते रहें।

पीएम मोदी ने कहा कि ये उमंग, उत्साह यहीं तक सीमित नहीं था। बीते सप्ताह मैं मॉरीशस में था, मैं त्रिवेणी से महाकुंभ के समय का पावन जल लेकर गया था। जब उस ?पवित्र जल को मॉरीशस के गंगा तलाब में अर्पित किया गया, तब वहां जो श्रद्धा का, आस्था का, उत्सव का माहौल था, वो देखते ही बनता था । ये दिखाता है कि हमारी परंपरा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कारों को आत्मसात करने की भावना कितनी प्रबल हो रही है। पिछले वर्ष, अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हमने महसूस किया था कि कैसे देश एक हजार वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद, महाकुंभ के आयोजन ने हम सबके इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की ये सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है।

### सबसे बड़ा हवाई हमला, कम से कम 413 लोगों की मौत

इस्राइल ने बुरेजी इलाके में शरणार्थी कैंपों पर हमले किए। विस्थापित फलस्तीनियों ने एक स्कूल में शरण ली हुई थी, उस स्कूल को भी निशाना बनाया गया। हमले से पहले इस्राइल ने गाजा में खाने, दवाई, ईंधन आदि की सप्लाई भी रोक दी है, जिससे गाजा में भुखमरी के हालात पैदा हो गए हैं। ये हमले ऐसे वक्त हुए हैं, जब इस्राइल औ? हमास के बीच दूसरे चरण के युद्धविराम समझौते पर बात हो रही हैं। हालांकि दोनों ही पक्ष एक दूसरे पर युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का आरोप लगा रहे हैं। हमास के पास अभी भी 24 जीवित बंधक हैं और अनुमान है कि 35 अन्य बंधक मारे जा चुके हैं।

हमास ने एक बयान में इजराइल की ओर से किए गए हमलों की निंदा की और कहा कि इन हमलों ने बंधकों के भविष्य को खतरे में डाल दिया है। हमास द्वारा बंधक बनाकर रखे गए लगभग 24 इस्राइली नागरिकों के भविष्य के बारे में इजराइल के हमलों के कारण संशय की स्थिति पैदा हो गई है जिनके बारे में माना जाता है कि वे अब भी जीवित हैं। वहीं, एक इस्राइली अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि इस्राइल हमास के उग्रवादियों, इसके नेताओं और बुनियादी ढांचों पर हमला कर रहा है तथा हवाई हमलों से परे अभियान को और बढ़ाने की योजना बना रहा है।

सीरिया और लेबनान में भी किए हमले-इस्राइल ने गाजा के साथ ही लेबनान और सीरिया में भी हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 10 लोगों के मारे जाने की रिपोर्ट्स हैं। सीरिया में दारा इलाके में रिहायशी क्षेत्र में हवाई हमले किए गए। लेबनान में भी इस्राइल ने दो हिजबुल्ला आतंकियों को मारने का दावा किया है।

इस्राइल ने हमले से पहले व्हाइट हाउस से ली थी सलाह-व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि आज रात गाजा में किए गए हमलों को लेकर इस्राइल ने ट्रंप प्रशासन और व्हाइट हाउस से सलाह ली थी। जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है, हमास, हूती, ईरान को अमेरिका और इस्राइल को आतंकित करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। सबकुछ तहस-नहस कर दिया जाएगा।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो ह्यह्यगाजा में और बुरी हालत होगी। उन्होंने कहा, हम तब तक लड़ाई नहीं रोकेंगे जब तक हमारे सभी बंधक घर नहीं पहुंच जाते। मिस्र और कतर के साथ मध्यस्थता प्रयासों का नेतृत्व कर रहे अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने पहले ही आगाह किया था कि हमास को जीवित बंधकों को तुरंत रिहा करना चाहिए ह्यह्यया फिर भारी कीमत चुकानी होगी। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, इजराइल अब सैन्य ताकत बढ़ाकर हमास के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

### मुझे माफ कर दें...बीजेपी संग गठबंधन की चाह में उद्धव ने क्या-क्या किया, एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद में कर दिया खुलासा

शिंदे ने आगे बताया कि शिवसेना (यूबीटी) नेता अनिल परब भी इसी तरह की पिछले दरवाजे से बातचीत में शामिल थे। अनिल परब, जब आपको नोटिस मिला तो आप भी (भाजपा नेताओं से मिलने) गए थे। आपने मामले से बचने के लिए कहा और राहत मिलने के बाद आपने पाला बदल लिया। मैं यह अच्छी तरह जानता हूं।

हमने खुले तौर पर अपना रुख अपनाया-महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से अलग होने और भाजपा के साथ गठबंधन करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए शिंदे ने कहा कि उनके गुट ने ठाकरे के विपरीत पारदर्शी तरीके से काम किया। शिंदे ने सदन में घोषणा की, हमने सब कुछ खुले तौर पर किया। हमने छिपकर काम नहीं किया। हमने तब रुख अपनाया, जब धनुष-बाण के प्रतीक शिवसेना और बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा खतरे में थी। जब आपने (ठाकरे) औरंगजेब की विचारधारा को अपनाया, तो हमने आपकी गाड़ी पलट दी।

### महाकुंभ पर जैसे ही संसद में पीएम मोदी ने शुरू किया बोलना, विपक्ष ने किया वॉकआउट

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं प्रयागराज के महाकुंभ पर बोलने के लिए यहां खड़ा हूं। मैं करोड़ों देशवासियों को बधाई देता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हो सका। महाकुंभ की सफलता में कई लोगों ने योगदान दिया। मैं भारत, यूपी और प्रयागराज के लोगों को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि पिछले वर्ष राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सभी ने देखा कि कैसे देश अगले 1000 वर्षों के लिए खुद को तैयार कर रहा है। महाकुंभ के दौरान यह विचार और भी मजबूत हुआ। देश के सामूहिक जागरण ने सामूहिक शक्ति को बढ़ाया। इसके बाद उनके इस भाषण को लेकर विपक्ष ने विरोध जताया और सदन से वॉकआउट कर लिया।

समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा कि प्रधानमंत्री ने एकतरफा बयान दिया और सदन से चले गए। बेहतर होता कि महाकुंभ पर बड़ी चर्चा होती... नेताजी की सरकार में महाकुंभ हुआ, अखिलेश यादव के नेतृत्व में भी हुआ और इन सरकारों में महाकुंभ का आयोजन बहुत अच्छे और भव्य तरीके से हुआ। दुख की बात है कि इस बार महाकुंभ में भगदड़ मची, लोगों की जान गई। प्रधानमंत्री को सदन में बताना चाहिए था कि महाकुंभ में कितने लोग लापता हुए, कितने लोगों की मौत हुई और उनके परिवारों के लिए सरकार क्या करेगी और विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है। आज पूरे विश्व में जब बिखराव की स्थितियां हैं, उस दौर में एकजुटता का ये विराट प्रदर्शन हमारी ताकत है। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है, ये हम हमेशा कहते आए हैं और इसी के विराट रूप का अनुभव हमने प्रयागराज महाकुंभ में किया है। हमारा दायित्व है, अनेकता में एकता की इसी विशेषता को हम निरंतर समृद्ध करते रहें।

### जम्मू-कश्मीर के बिगड़ते हालात को देखते हुए पूरे जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हाई अलर्ट जारी किया

हम आपको बता दें कि रहमान, जनवरी 2023 में राजौरी में सात लोगों की हत्या और जून 2024 में रियासी में नौ तीर्थयात्रियों की हत्या सहित जम्मू कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा वांछित था। वह शनिवार शाम पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के झेलम इलाके में बंदूकधारियों के हमले में अपने अंगरक्षक के साथ मारा गया। रहमान को लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक और 26 नवंबर 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के सरगना हाफिज सईद का सबसे भरोसेमंद कमांडर माना जाता था। उसने वर्ष 2000 की शुरूआत में जम्मू क्षेत्र में घुसपैठ किया था और 2005 में भाग गया था। खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने, अपने कमांडर की हत्या के लिए आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा प्राप्त किसी व्यक्ति पर हमले या लक्षित हमले की आशंका की ओर इशारा किया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा प्राप्त सभी व्यक्तियों को एक परामर्श जारी किया गया है, जिसमें उनसे कहा गया है कि वे अपनी यात्रा के कार्यक्रम सुरक्षा नियंत्रण कक्ष या जिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पहले ही दे दें, ताकि संबंधित एजेंसियों के साथ व्यवस्था की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर महत्वपूर्ण संस्थानों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

### उद्धव ने बीजेपी के हिंदुत्व के दावों को दी चुनौती

राणे ने प्रदर्शनकारियों से हिंसा का सहारा लेने के बजाय अपनी शिकायतें व्यक्त करने के लिए लोकतांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया।

अबू आजमी ने कथित तौर पर कहा था कि औरंगजेब एक 'क्रूर प्रशासक' नहीं था और उसने 'कई मंदिर बनवाए'। उन्होंने कहा कि मुगल बादशाह और छत्रपति संभाजी महाराज के बीच लड़ाई राज्य प्रशासन के लिए थी, हिंदू मुस्लिम के लिए नहीं। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में औरंगजेब की कब्र को हटाने को लेकर बढ़ते तनाव के बीच नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़क उठी। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब प्रदर्शनकारियों ने मुगल बादशाह का पुतला जलाया।

# महामंडलेश्वर भैया दास महाराज को विभिन्न संगठनों का समर्थन, बिजली विभाग के खिलाफ आक्रोश

सुरेंद्र मलानिया

बागपत, डूंडाहेड़ाः श्री बालाजी धाम आश्रम, डूंडाहेड़ा में महामंडलेश्वर भैया दास जी महाराज के समर्थन में विभिन्न संगठनों के लोगों ने पहुंचकर अपना समर्थन व्यक्त किया। महाराज जी बिजली विभाग की लापरवाह कार्यशैली के खिलाफ आमरण अनशन पर बैठे हैं, और अब यह मामला तेजी से तूल पकड़ रहा है।

**संगठनों के प्रतिनिधियों ने दिया समर्थन**

महामंडलेश्वर भैया दास जी महाराज से मिलने पहुंचे विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनकी मांगों का समर्थन करते हुए बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के निवर्तमान नगर मंत्री विक्की चौधरी,

हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान जिला अध्यक्ष राहुल ठाकुर, जगदीप ठाकुर, रेखा चौहान (उपाध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद), राकेश चौहान, कपिल शर्मा, हिमांशु कौशिक, पंकज भारद्वाज समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

**बिजली विभाग के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी**

संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि बिजली विभाग जल्द समाधान नहीं करता, तो वे महाराज जी के साथ मिलकर बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेंगे।

**क्षेत्रीय जनता में आक्रोश**

मामले को लेकर क्षेत्रीय जनता में भी बिजली विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोग बिजली से जुड़ी समस्याओं को लेकर लंबे समय से परेशान हैं, लेकिन अब इस मुद्दे पर बड़ा जनआंदोलन खड़ा होने की संभावना है।

विरोध जताने पहुंचे लोगों ने महाराज जी के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनकी मांगों का समर्थन करते हुए प्रशासन से शीघ्र समाधान की अपील की।

**संघर्ष जारी रहेगा**

महामंडलेश्वर भैया दास जी महाराज ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। समर्थकों ने भी कहा कि अब यह लड़ाई आम जनता की लड़ाई बन चुकी है और जल्द ही बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

## महामंडलेश्वर भैया दास महाराज के समर्थन में हिंदू युवा वाहिनी, बिजली विभाग के खिलाफ चेतावनी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपतः डूंडाहेड़ा में महामंडलेश्वर भैया दास महाराज के समर्थन में हिंदू युवा वाहिनी जनपद बागपत की टीम पहुंची, जहां महाराज जी बिजली विभाग के खिलाफ आमरण अनशन पर बैठे हैं। संगठन ने मौके पर पहुंचकर महाराज जी का हालचाल जाना और उनकी समस्याओं को समझा।

**बिजली विभाग के अधिकारियों को बुलाकर की वार्ता**

हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष संजीव तोमर के नेतृत्व में टीम ने बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता और खंड अभियंता को मौके पर बुलाकर उनसे वार्ता की। संगठन ने अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान करने की चेतावनी दी, अन्यथा हिंदू युवा वाहिनी महाराज जी के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करेगी।

**हिंदू युवा वाहिनी की चेतावनी**

जिला प्रभारी आलोक शास्त्री ने स्पष्ट किया कि यदि विभाग अपनी गलती को नहीं सुधारता, तो संगठन कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन करेगा। संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने भी इस मुद्दे पर आक्रोश व्यक्त किया।

इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष बड़ौत मोहित उपाध्याय, ब्लॉक प्रभारी विजय वर्मा, जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष छपरौली मनमोहन जिंदल, ब्लॉक अध्यक्ष बिनोली अर्पित त्यागी, ब्लॉक अध्यक्ष खेकड़ा आकाश त्यागी, रूपेंद्र तोमर, रजत चौहान, रविंदर कुमार, चंद्रवीर सिंह, राजीव कुमार, पारस चौहान, अंकित, मोहित जैन, राकेश चौहान समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यह मामला क्षेत्र में बिजली विभाग के खिलाफ बढ़ते असंतोष को दशार्ता है। हिंदू युवा वाहिनी ने यह भी संकेत दिया कि यदि उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगा।

## अमरनाथ यात्रियों की स्वास्थ्य जांच के लिए 6 डॉक्टर का पैनल घोषित

एनपीटी ब्यूरो

बरेली ,आगामी अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य जांच के लिए जिला अस्पताल के 6 डॉक्टर का पैनल सीएमएस द्वारा घोषित कर दिया गया

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रा पर जाने से पहले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए पैनल तैयार कर लिया गया है जिसकी जानकारी सीएमएस डॉक्टर अलका शर्मा ने दी उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में तैनात डॉक्टर राजीव कुमार गुप्ता, डॉक्टर जेपी मौर्य, डॉक्टर संजय सिंह, डॉक्टर ए एम अग्रवाल,

डॉक्टर पीयूष सारस्वत और डॉक्टर अविनाश सिंह आनंद को श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य परीक्षण की जिम्मेदारी दी गई है और सभी डॉक्टर अस्पताल परिसर में स्थित अपने कमरे में बैठकर अलग-अलग दिनों में स्वास्थ्य परीक्षण का काम करेंगे सभी डॉक्टरों को सप्ताह में अलग-अलग दिन स्वास्थ्य परीक्षण करने की जिम्मेदारी दी गई है सीएमएस ने कहा कि श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता और यह शासन के निर्देश के बाद पैनल के डॉक्टरो द्वारा किया जाता है प्रत्येक यात्री को इस परीक्षण के बाद ही यात्रा पर जाने की अनुमति प्रदान की जाती है जिसके चलते सभी को यह परीक्षण अति आवश्यक है यह परीक्षण 19 मार्च से शुरू होंगे और सुबह 8:00 से प्रारंभ होकर दोपहर 2:00 तक चलेंगे

## वक्फ संशोधन विधेयकः सामाजिक सुधार की दिशा में कदम, न कि धार्मिक विवाद

बागपत-वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर धार्मिक विवाद खड़ा किया जा रहा है, जबकि इसका असली उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। वक्फ बोर्डों की अनियमित शक्तियों और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकार ने संपत्तियों के सत्यापन, न्यायिक जांच और समावेशी शासन जैसे सुधार प्रस्तावित किए हैं। हनफी न्यायशास्त्र के अनुसार, वक्फ मुतवल्ली गैर-मुस्लिम भी हो सकता है, जिससे विधेयक का यह प्रावधान भी सही ठहरता है। इसे धार्मिक उल्लंघन के बजाय सामाजिक सुधार के रूप में देखने की जरूरत है ताकि वक्फ संपत्तियां जनकल्याण के वास्तविक उद्देश्य को पूरा कर सकें।

## यूपी सरकार ने 62 राजकीय आईटीआई के उन्नयन के लिए किया एमओयू

लखनऊ। आईटीआई के छात्र इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल मशीनिंग में दक्ष होंगे। टाटा दो साल के लिए प्रशिक्षकों की भी तैनाती करेगा। इसके तहत आधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के छात्र जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहन, 3डी प्रिंटिंग, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैनुफेक्चरिंग टेक्निक, एडवांस टूल, कैम प्रोग्रामर जैसे आधुनिक ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए प्रदेश की 62 और राजकीय आईटीआई को अपग्रेड करके एक दर्जन नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसके लिए मंगलवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल की उपस्थिति में टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) और प्रदेश सरकार के बीच एमओयू हुआ। आईटीआई अलीगंज में हुए एमओयू के दौरान अग्रवाल ने कहा कि पहले चरण में 149 आईटीआई अपग्रेड हुए हैं। यहां प्रशिक्षण शुरू हो गया है। अब दूसरे चरण में 62 और आईटीआई में अत्याधुनिक लैब की स्थापना की जाएगी। इससे युवाओं को तकनीकी शिक्षा में बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि यह योजना न केवल रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करेगी, बल्कि प्रशिक्षित युवाओं को टाटा टेक्नोलॉजीज और अन्य कंपनियों में सेवायोजन के अवसर भी देगी। उन्होंने कहा कि इससे हर साल लगभग 10 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

## प्लाटों पर कब्जे की शिकायत को लेकर डीएम ने नगर निगम पर बैठा दी जांच

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। डीएम रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में विगत दिवस तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस मैं खाली प्लाट पर कब्जे और कूड़ा फेक जाने की शिकायत की गई जिसमें नगर निगम पर प्लॉटों पर कब्जा कर कूड़ा फिकवाने का आरोप लगाते हुए शिकायत की गई। पुलिस, अवैध कब्जे, पेंशन, आवास, रास्ते, मेड़ आदि से संबंधित कुल 49 शिकायतें पहुंचीं। डीएम ने कई शिकायतों में जांच बैठाई है।

रामपुर रोड स्थित स्वालेनगर नवदिया आनंद विहार कॉलोनी निवासी हुमा हैदर ने डीएम को बताया कि बाकरगंज में किला नदी पार 2013 में 105 वर्ग गज के दो प्लॉट खरीदे थे। प्लॉट खरीदने के कुछ समय बाद पति जिया हैदर का निधन हो गया। उस दौरान वह अपने प्लॉट पर नहीं जा सकीं। कुछ दिनों बाद पता चला कि उनके प्लॉटों पर कूड़ा फेंका जा रहा है। आरोप लगाया कि नगर निगम खाली प्लॉटों पर अपना कब्जा जमा रहा है। उन्होंने बताया कि कूड़ा फेंकने वालों ने निगम के अधिकारी के कहने पर यहां कूड़ा डालने की बात बताई थी। आरोप है कि वह नगर निगम में शिकायत करने गईं तो वहां एक अधिकारी ने अभद्रता की। उन्होंने डीएम से प्लॉटों पर कब्जा दिलाने की मांग की। डीएम ने नगर आयुक्त को प्रकरण देखने के निर्देश दिए हैं।

फरीदापुर इनायत खां के उल्फत सिंह, हेमपाल सिंह, प्रेमपाल सिंह ने शिकायत करते हुए बताया कि उनकी पैतृक भूमि नेकपुर चुंगी

के पास है। कुछ दबंग भूमि पर कब्जा कर रहे हैं। पूर्व में शिकायत पर एसडीएम सदर ने जांच टीम गठित की थी। आरोप लगाया कि न भूमि का सीमांकन हुआ न ही अवैध कब्जा हटाया गया। डीएम ने मामले में तहसीलदार सदर और एसएचओ सुभाषनगर को जांच के निर्देश दिए। मढ़ीनाथ निवासी अभिषेक कुमार ने पैतृक संपत्ति में हिस्सा दिलाने की गुहार लगाई। एसडीएम सदर प्रमोद कुमार, तहसीलदार सदर भानु प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वीकृति के बाद भी नहीं मिला मत्स्य पट्टा-शिकायतकर्ता रहीसन पत्नी नवाज अली ने बताया कि उनके पास न आवास है और न ही वृद्धावस्था पेंशन आ रही। इसपर डीएम ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि जांच कर कार्रवाई करें।

जिस गांव की शिकायतें ज्यादा आ रहीं, वहां का भ्रमण करें अधिकारी-डीएम ने समाधान दिवस में तहसील सदर क्षेत्र से आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस गांव में सबसे ज्यादा शिकायतें आ रही हैं, उस गांव का भ्रमण कर शिकायतों का शत प्रतिशत निस्तारण करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

## तीन दिन बाद फिर से होगी बूंदाबांदी, पारे में उतार चढ़ाव जारी

लखनऊ। यूपी में पारे का उतार चढ़ाव जारी है। आने वाले दिनों में भी मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। कई इलाकों मे फिर से बूंदाबांदी हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में पिछले दो दिनों में हुई बूंदाबांदी से तपिश भरी गर्मी से जहां राहत मिली है वहीं मौसम विभाग के पूवार्नुमानों के मुताबिक शुक्रवार से मौसम में फिर से बदलाव के आसार हैं। मंगलवार सुबह से ही प्रदेश भर में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पछुआ हवाएं चलीं। इसके असर से प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में पारे में गिरावट दर्ज की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक उत्तर प्रदेश में 18 से 20 मार्च तक मौसम शुष्क रहने वाला है। इसके बाद बंगाल की खाड़ी से चली नमी युक्त पुरवाई फिर से मौसम में बदलाव

लाएगी।सोमवार की सुबह राजधानी लखनऊ समेत गोरखपुर, वाराणसी सोनभद्र, प्रयागराज, सुल्तानपुर, अयोध्या, बाराबंकी, इटावा, बिजनौर आदि जगहों पर हल्की बारिश देखने को मिली थी। कई जिलों में बारिश के संग ओले भी पड़े। मौसम विभाग का कहना है कि बदले हुए मौसम के बीच 21 व 22 मार्च को विभिन्न इलाकों में बूंदाबांदी के बाद तापमान में हल्की गिरावट आएगी। इसके बाद फिर से मौसम यू टर्न लेगा और पारे में उछाल देखने को मिलेगा।

## आईवीआरआई व बरेली कॉलेज के खाते होंगे सीज

### नगर निगम कार्यकारिणी में किया 833.75 करोड़ का बजट पेश

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। नगर निगम की कार्यकारिणी में 833.75 करोड़ रुपये का बजट पेश हुआ है। इतनी वसूली अभी तक अतिक्रमण में किसी वर्ष भी नहीं हुई है। वहीं कर विभाग को अभी 65 करोड़ रुपये वसूलना बाकी है। इसके लिए आईवीआरआई और बरेली कॉलेत के खातों को सीज करने की कवायद के लिए टीमों का गठन किया जाएगा।

मंगलवार को नगर निगम कार्यकारिणी सदस्यों की 2025-26 के मूल बजट को लेकर चर्चा हुई। महापौर उमेश गौतम के नेतृत्व में हुई बैठक में 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों के साथ 2024-25 पुनरक्षित बजट की अनुमानित आय और दिसंबर 2024 तक हुई नगर निगम की आय का अवलोकन किया गया। इसके तहत 2024-25 के दिसंबर तक नगर निगम की आए 518.61 करोड़ हुई है।

### जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई सम्पन्न

## दुर्घटनाएं रोकने की दृष्टि से एनएच हाईवे पर जहां भी डिवाडर या टर्न हो वहां रिफ्लेक्टर अवश्य लगवायें

एनपीटी ब्यूरो

बरेली, 18 मार्च। अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे की अध्यक्षता में आज लोक निर्माण विभाग की जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक विकास भवन स्थित सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में नेशनल हाइवे पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु चिन्हित ब्लैक स्पाट्स को समाप्त करने की दृष्टि से सुधारात्मक कार्य कराये जाने की समीक्षा की गयी, जिस पर अवगत कराया गया कि सुधारात्मक कार्य कराये गए हैं। एनएच हाईवे बिल्वा मोड़ पर स्थायी निवारण की दृष्टि से एप्रोच रोड बनाने हेतु प्रस्ताव भेजा गया है।

बैठक में अवगत कराया गया कि रोडवेज बस में यात्रा करने वाले यात्रियों को यदि दुर्घटना के कारण कोई शारीरिक नुकसान होता है तो अनुदान दिए जाने का प्राविधान है। उक्त से सम्बंधित कुछ प्रकरणों की मजिस्ट्रेटी जांच लंबित है उनकी

यथाशीघ्र जांच कराने हेतु सम्बंधित उप जिलाधिकारीगण को निर्देश दिए गए।

विगत बैठक में निर्देश दिए गए थे कि विद्यालयों के मालिकों/प्रबंधकों/ प्रधानाचार्यों को नोटिस दे कि विद्यालय के अलावा प्राइवेट वाहनों से एक साथ कई बच्चे विद्यालय ना आए-जाए यह सुनिश्चित किया जाए । एआरटीओ द्वारा जारी नोटिस की प्रति भी प्रस्तुत की गयी।

बैठक में एस0पी0 ट्रैफिक ने अवगत कराया कि दुर्घटना सम्भावित क्षेत्रों का सर्वे कराया गया है, जिसमें ब्लैक स्पाट्स के अतिरिक्त भी 51 स्थान चिन्हित किए गए हैं। जो कि विगत तीन-चार वर्ष के आंकड़ो के आधार पर बनाए गए हैं। साथ ही वहां कराए जाने हेतु सुरक्षात्मक उपायों को भी सुझाया गया है। उक्त सूची को समस्त संबंधितों को देने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देश दिए गए कि ट्रकों को हाइवे पर जहां-तहां खड़े करने पर रोक लगायी जाए इसके लिये निर्धारित स्थानों पर खड़ा करने हेतु निर्देशित किया जाए। मार्गों पर मदिरापान करके वाहन ना चलाये सम्बंधी जागरूकता वाले स्लोगनों को बड़े आकार में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में निर्देश दिए गए कि विद्यालयों में सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करायी जाएं औ उनका प्रचार-प्रसार कराया जाए। बैठक में एआरएम रोडवेज से ड्राइवरों के स्वास्थ्य/दृष्टि परीक्षण कराये जाने सम्बन्धी भी जानकारी प्राप्त की गयी।

बैठक में नगर मजिस्ट्रेट राजीव कुमार शुक्ला, एस0पी0 ट्रैफिक अकमल खान, एआरएम रोडवेज, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, नेशनल हाइवे के अधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# संपादकीय

## टैरिफ घटे तो लाखों उत्पादकों पर मार

दुनिया को नये टैरिफ युद्ध में धकेलने वाले ट्रंप प्रशासन के दबाव की आंच हिमाचल के सेब उत्पादकों तक भी पहुंच रही है। भारत पर सेब आदि उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ घटाने के दबाव ने हिमाचल के सेब उत्पादकों के माथे पर चिंता की लकीरें उकेर दी हैं। वे केंद्र सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि किसी भी कीमत पर अमेरिकी सेब पर टैरिफ कम न किया जाए, अन्यथा लाखों उत्पादकों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ जाएगी। वे तब से फिक्रमंद हैं जब वर्ष 2023 में आयात शुल्क सत्तर फीसदी से घटाकर पचास फीसदी कर दिया गया था। उनको फिक्र है कि यदि फिर टैरिफ में कमी की गई तो भारतीय बाजार अमेरिका के उच्च गुणवत्ता वाले सस्ते सेब से पट जाएगा। जिससे घरेलू सेब उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। आंकड़े इस गंभीर स्थिति को बयां करते हैं कि वर्ष 2018 में जब टैरिफ बढ़ाए गए तो वर्ष 2022-23 तक अमेरिकी सेब का आयात 1.28 लाख मीट्रिक टन से घटकर सिर्फ 4,486 मीट्रिक टन रह गया था। मौद्रिक संदर्भ में देखें तो यह 145 मिलियन डॉलर से घटकर मात्र 5.27 मिलियन डॉलर रह गया था। सेब उत्पादक इस बात को लेकर चिंतित है कि जब वर्ष 2023 में टैरिफ को फिर से वापस पचास फीसदी पर लाया गया तो आयात में करीब 20 गुना वृद्धि हो गई थी। ऐसे में यदि किसी भी तरह की कमी फिर आयात शुल्क में की जाएगी तो भारतीय बाजार वाशिंगटन सेब से पट जाएंगे। फिर भारतीय प्रीमियम सेब से बहुत कम कीमत पर मिलने के कारण गुणवत्ता का विदेशी सेब उपभोक्ताओं की प्राथमिकता बन जाएगा। खासकर संपन्न तबके की पहली पसंद बन जाएगा। इस चिंता ने घरेलू सेब उत्पादकों की नींद उड़ा दी है। उन्हें डर कि पौष्टिकता व रस की गुणवत्ता में भारतीय सामान्य सेब अमेरिकी सेब का मुकाबला नहीं कर पायेगा। लोगो में आम धारणा रहती है कि विदेशी सेब ज्यादा अच्छा होगा।

बहरहाल, अमेरिकी सेब पर टैरिफ घटाने की आशंका से सात लाख सेब उत्पादकों की आजीविका पर खतरा मंडराने लगा है। इसकी वजह यह भी कि अमेरिकी व्यापार वार्ता में कृषि टैरिफ घटाना मुख्य मुद्दा है। हालांकि, भारत जो उच्च आयात शुल्क लगाता है वह सोयाबीन पर 45 फीसदी, मक्का पर 50 फीसदी और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर 150 फीसदी है। अमेरिकी मांग है कि उसके कृषि निर्यात के लिये अवरोध कम किए जाएं। लेकिन निर्विवाद रूप से व्यापार एकतरफा नहीं हो सकता। अगर भारत को रियायतें देनी ही हैं तो उसे अपने उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के लिये पारस्परिक बाजारों में पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेब उत्पादक पहले ही सस्ते ईरानी आयातों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। ईरानी सेब भारतीय बाजार में पचास-साठ रुपये कम कीमत पर उपलब्ध है, जिसकी वजह से गैर-प्रीमियम गुणवत्ता वाले सेबों का लाभकारी मूल्य मिलना बेहद मुश्किल है। स्थानीय सेब उस दर पर आयातित सेबों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि राज्य में उत्पादन व परिवहन लागत ज्यादा है। यह बात जगजाहिर है कि हिमालय के पहाड़ी इलाकों के कारण उच्च उत्पादन लागत से किसान जूझ रहे हैं। जिसमें मशीनीकरण असंभव हो जाता है। इसके विपरीत, अमेरिकी सेब उत्पादक अत्यधिक मशीनीकृत खेती और बड़े पैमाने पर सब्सिडी से लाभान्वित होते हैं। यही असंतुलन भारत में सेब उद्योग को अनियमित आयातों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाता है। भारतीय उत्पादकों के लिये सुरक्षात्मक उपाय किए बिना किसी भी तरह की टैरिफ कटौती पहले से ही संकट में पड़े फल उद्योग को पंगु बना देगी। वहीं दूसरी ओर ह्यवोकल फॉर लोकलह्ल को एक नारे से अधिक व्यवहार में लाना है तो भारत को आंख मूंदकर आयात शुल्क कम करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। अपने उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिये उसे अमेरिकी दबाव का प्रतिरोध करना चाहिए। भारतीय हितों को सामने रखकर ही बातचीत को आगे बढ़ाना चाहिए। साथ ही निर्यात के अवसरों का विस्तार करते हुए कमजोर क्षेत्रों के संरक्षण की भी पहल करनी चाहिए। जिसकी मांग हिमाचल के सेब उत्पादक भी कर रहे हैं। यह चुनौती गुणवत्तापूर्ण फल उत्पादन के लिये भी रहेगी।

# इंसानी साँसों की कीमत पर विकास, बदहाल जलवायु

**वातावरण को सुरक्षित करने के लिए हमें पर्यावरण को वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण, समुद्र प्रदूषण, ई कचरा प्रदूषण, अंतरिक्ष प्रदूषण तथा सबसे खतरनाक प्लास्टिक प्रदूषण से बचा कर रखना होगा। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा। प्रदूषण को हमें सदैव वायु प्रदूषण यानी ज्वालामुखी विस्फोट, जंगल की आग, कोहरा, परागकण, उल्कापात आदि प्राकृतिक स्रोतों से उत्पन्न वायु प्रदूषण से नियंत्रण में रखकर उसका संरक्षण करने का प्रयास करना चाहिए। मानवीय अवांछित क्रियाकलाप भी प्रकृति तथा वातावरण और पर्यावरण के लिए खतरा बनते जा रहे हैं, जिस तरह वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है मोटर वाहनों का बेतरतीब प्रयोग लकड़ी कोयला तथा अन्य पदार्थों के जलाने से उत्पन्न हुआ बेतहाशा कारखानों का निकलता धूंआ, ताप विद्युत गृह, खनन तथा रासायनिक पदार्थों के साथ आतिशबाजी द्वारा वायु प्रदूषण में बेतहाशा वृद्धि हो गई है।**

अपने विकास की क्रमिक उन्नति में मनुष्य ने जितने भी अविष्कार और विकास के कार्य किए हैं सब के सब प्रकृति एवं पर्यावरण के विरोध में ही रहे हैं। भोजन पकाने हेतु जंगल से लकड़ी काटकर धूंआ पैदा करने का काम भी मनुष्य ने ही किया है। इसी क्रम में सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को औद्योगिकरण की नीति ने किया है,बड़े बड़े उद्योगों से निकलने वाले वैश्विक स्तर पर प्रदूषित वायु अपशिष्ट पदार्थों के साथ नदियों तथा समुंदर में विषैले अपशिष्ट को छोड़ने से शुद्ध जल विषैला होकर जीव जंतुओं को नष्ट करते आ रहा है। इसके पश्चात प्राकृतिक रूप से भी बाढ़, ज्वालामुखी ने प्रकृति तथा पर्यावरण को नष्ट करने का काम बखूबी किया है, पर मानव जाति ने अपने आराम तथा सुविधा के लिए स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार और परिवहन के लिए ट्रक और डीजल एवं कोयले से चलने वाली लोकोमोटिव ने प्रकृति तथा पर्यावरण को को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्लास्टिक तथा पॉलीथिन के अविष्कार ने मानव तथा जीव जंतुओं को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई है। क्योंकि पॉलिथीन एक ऐसा पदार्थ है जो अत्यंत ज्वलनशील होने के साथ-साथ नष्ट ना होने वाला पदार्थ है जो मनुष्य के साथ जीव जंतुओं के लिए सर्वाधिक नुकसानदायक साबित हो रहा है। इसके अलावा घरों कार्यालयों और कारखानों में लगाए जाने वाले वातानुकूलित यंत्रों से निकलने वाले वायु प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग बहुत तेजी से बढ़ते जा रही है जो मानव जाति के लिए खुद नुकसानदेह है, किंतु मानव ही पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुका है।शुद्ध वायु, जल मनुष्य तथा पृथ्वी पर निवास कर रहे जीव जंतुओं तथा हमारी वनों से आच्छादित प्यारी धरती के लिए अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण की असुरक्षा से धरती असुरक्षित नदियां ,असुरक्षित और धरती, जलवायु की असुरक्षा होने से जीव जंतु और मानव जाति का जीवन भी असुरक्षित हो जाएगा, हमें इन परिस्थितियों में पर्यावरण की सुरक्षा को प्राथमिक सुरक्षा मानकर इसकी हर संभव शुद्धता एवं परिष्करण पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा। पर्यावरण से आशय 'पर' यानी मतलब चारों तरफ, और वरण का मतलब ढका हुआ माना गया है। पर्यावरण विदों के अनुसार पर्यावरण का मतलब उस अवस्था से है जो किसी जंतु, प्रकृति और मनुष्य को चारों ओर से ढक कर उसे अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। हम सदैव पर्यावरण को प्रकृति से जोड़कर ही देखते हैं। इसीलिए मानव जीव जंतु वृक्ष सभी को स्वस्थ जीवन देने के लिए एक परिष्कृत पर्यावरण के वातावरण की निरंतर महत्वपूर्ण उपस्थिति आवश्यक होती है,किंतु जब वायु ,जल तथा प्रकृति में प्राकृतिक अथवा मानवीय अवांछनीय कार्यों से कुछ ऐसे तत्व वातावरण में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारी प्रकृति, हमारा पर्यावरण प्रदूषित होने लगता है और माननीय जीवन प्रकृति के साथ नष्ट होने की कगार पर खड़ा होने लगा है। प्रगति और वातावरण यानी की पर्यावरण ने हमें सब कुछ दिया है, स्वच्छ हवा से हमें ऊर्जा,स्वच्छ जल और नवजीवन की उत्प्रेरणा प्राप्त होती है। भोपाल में मिक नामक गैस रिसाव से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाने से हजारों लोगों की मृत्यु एवं उसके पश्चात शरीर में अनेक बीमारियों को जन्म दिया, जिस की विभीषिका आज भी भोपाल वासी झेल रहे हैं। इसके पश्चात मई 2020 को आंध्र प्रदेश के पॉलीमर कंपनी द्वारा स्टाइलिन नामक गैस का रिसाव हुआ एवं जून में असम गैस रिसाव से मानव जीवन को प्रभावित कर पूरे पर्यावरण को प्रदूषित कर मानव जाति तथा जीव जंतुओं के संपूर्ण जीवन को दांव पर लगा दिया था। वातावरण को सुरक्षित करने के लिए हमें पर्यावरण को वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण, समुद्र प्रदूषण, ई कचरा प्रदूषण, अंतरिक्ष प्रदूषण तथा सबसे खतरनाक प्लास्टिक प्रदूषण से बचा कर रखना होगा। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा। प्रदूषण को हमें सदैव वायु प्रदूषण यानी ज्वालामुखी विस्फोट, जंगल की आग, कोहरा, परागकण, उल्कापात आदि प्राकृतिक स्रोतों से उत्पन्न वायु प्रदूषण से नियंत्रण में रखकर उसका संरक्षण करने का प्रयास करना चाहिए। मानवीय अवांछित क्रियाकलाप भी प्रकृति तथा वातावरण और पर्यावरण के लिए खतरा बनते जा रहे हैं, जिस तरह वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है मोटर वाहनों का बेतरतीब प्रयोग लकड़ी कोयला तथा अन्य पदार्थों के जलाने से उत्पन्न हुआ बेतहाशा कारखानों का निकलता धूंआ, ताप विद्युत गृह, खनन तथा रासायनिक पदार्थों के साथ आतिशबाजी द्वारा वायु प्रदूषण में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। जिससे पर्यावरण अत्यंत असुरक्षित हो गया, इसके अलावा पर्यावरण की सुरक्षा तथा प्रकृति के साथ खिलवाड़ के कारण प्रकृति का तापमान भी अत्यधिक बढ़ गया है, फल स्वरूप जलवायु परिवर्तन की विभीषिका को हम बुरी तरह से झेल रहे हैं। हमें पेट्रोल की जगह गैस फ्यूल का उपयोग कर वातावरण को बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। वातावरण में उपस्थित अवांछित गैसीय पदार्थों के कारण अंधापन ,त्वचा रोग तथा फेफड़ों की बीमारी से होने वाले दमा रोग में बढ़ोतरी हुई है। विगत 2 वर्षों से कोविड-19 के संक्रमण में पर्यावरण प्रदूषण के कारण लोगों को फेफड़ों में स्वच्छ ऑक्सीजन नहीं मिलने से लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त हुए, यह एक पर्यावरण असंतुलन का सबसे बड़ा उदाहरण है ।रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन में भारी बमबारी तथा गोलीबारी से वातावरण को तहस-नहस कर दिया, वहां कई किलोमीटर क्षेत्र में शहरों में वायु प्रदूषण के कारण हजारों लोग मृत्यु की कगार पर पहुंच गए हैं एवं लाखों लोगों ने वहां से पलायन भी किया, यह सब पर्यावरण प्रदूषण के एकदम ताजा उदाहरण है जो मानवीय जीवन के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा भूकंप बाढ़ तथा औद्योगिक कचरे तथा विषाक्त कार्बनिक पदार्थों सहित अन्य उत्पादकों का जल स्रोतों में डाला जाना भी पर्यावरण प्रदूषण के लिए भारी खतरा बन गया है, इसी तरह बंदरगहों में रिफाइनरी से पेट्रोलियम पदार्थ, तेल युक्त तरल पदार्थ को समुद्रों में बाहर जाना भी समुद्र में रह रहे जीव जंतुओं के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हुए हैं। जल प्रदूषण से जल से फैलने वाली बीमारियां जैसे मलेरिया, हैजा, टाइफाइड, डेंगू पीलिया, पेचिश तथा उदर रोगों के लिए अत्यंत हानिकारक माना गया है। अन्य प्रदूषण में मृदा प्रदूषण ध्वनि प्रदूषण आदि वातावरण को प्रदूषित करते पृथ्वी तथा मानव जाति के लिए काल बन चुके हैं। तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद पर्यावरण प्रदूषण को कम नहीं किया जा सका है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार भारत की दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी है। और कोविड-19 के संक्रमण के दौरान यहां पर सबसे ज्यादा मौतें पर्यावरण प्रदूषण के कारण भी हुई है। प्रदूषित वातावरण के कारण बच्चों तथा बुजुर्गों की जिंदगी को सबसे ज्यादा वैज्ञानिकों ने खतरा माना है और ईससे निजात पाने के लिए शुद्ध वातावरण की आवश्यकता पर जोर दिया है। पर्यावरण को सुरक्षित ना रख पाने की दो प्रमुख वजह प्राकृतिक तथा मानव निर्मित प्रदूषण ही हैं। यह तो तय है कि प्रकृति पर मानव का कोई नियंत्रण नहीं है अतः प्राकृतिक प्रदूषण को रोक पाना मानव जाति के लिए थोड़ा कठिन एवं कष्ट साध्य कार्य सोने के अलावा थोड़ा असंभव भी प्रतीत होता है, किंतु मानव जाति द्वारा फैलाए गए प्रदूषण को रोकने के प्रयास में हमें हर संभव मदद करने की आवश्यकता होगी। और यह तो सर्वविदित तथ्य है कि यदि हमें पर्यावरण प्रदूषण को पृथ्वी तथा प्रकृति से हटाना एवं मानव जीवन को सुरक्षित रखना है तो शासकीय प्रयासों के अलावा हर व्यक्ति को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को सुरक्षित रखने पर जोर देना होगा अन्यथा ओजोन परत के क्षरण के कारण मानव तथा जीव जंतु तथा प्रकृति के प्रति संकट गहराता जाएगा एवं हम पर्यावरण प्रदूषण के सामने हाथ पर हाथ धरे रह जाएंगे।

# औरंगजेब की लानत-मलानत के बाद अब बेचारे मुहम्मद-बिन-तुगलक की बारी

प्रेमचंद ने कहा था --सांप्रदायिकता हमेशा संस्कृति की खाल ओढ़कर सामने आती है।ह इसके साथ ही आज का सच यह भी है कि सांप्रदायिकता इतिहास का मिथ्याकरण करती है और मिथकों को इतिहास के रूप में पेश करती है। आज भाजपा-संघ पुराणों में विमान विज्ञान से लेकर अंग प्रत्यारोपण और आइवीएफ चिकित्सा तक के तथ्य खोजने में जुटी हुई है और मिथकीय कहानियों को इसका प्रमाण बता रही है। उसके लिए ताजमहल और तमाम मस्जिद हिन्दू मंदिर है और इसके लिए वह मुगल शासकों द्वारा कुछ हिन्दू मंदिरों को लूटने और ध्वस्त करने को प्रमाण के रूप में पेश करती है। इतिहास में एक-दूसरे के धर्मस्थलों को तोड़ने के अनेकानेक उदाहरण है। शैवों ने वैष्णवों पर हमले किए हैं, हिंदुओं ने बौद्ध मठों को ध्वस्त किया है, ब्राह्मणों ने शूद्रों का भयंकर दमन किया है। ये सब सैकड़ों-हजारों साल पुरानी बातें हैं और आज की हमारी आधुनिक, वैज्ञानिक और तर्कशील चेतना इसे गलत मानती है। इन सब विकृतियों के बावजूद हमारा समाज आगे बढ़ा है, पहले से ज्यादा सभ्य हुआ है और सद्भाव की परंपरा, गंगा-जमुनी तहजीब विकसित हुई है।

इतिहास से सबक तो लिया जा सकता है, लेकिन इस इतिहास को आधार बनाकर बदला नहीं लिया जा सकता। ऐसा करना समाज का अमानवीयकरण करना होगा, समाज को पीछे बर्बरता के युग में धकेलना होगा, आज तक मानव सभ्यता ने जो कुछ हासिल किया है, उसे नष्ट करना होगा। लेकिन सांप्रदायिक ताकतें इतिहास से सबक नहीं लेना चाहती, वह इतिहास की बर्बरता को आधार बनाकर बदले की राजनीति करना चाहती है और भारतीय समाज को पीछे, और पीछे, बर्बरता के युग में पुनः पहुंचाना चाहती हैं। उनके इरादे और घोषणाएं बहुत स्पष्ट है।

भाजपा की झोली जादुई झोली है, जिसमें मुद्दों की भरमार है। लेकिन ये मुद्दे हमारी वास्तविक जिंदगी के मुद्दे नहीं है। इस झोली में मुस्लिम विद्वेष के मुद्दे हैं, नफरत के मुद्दे हैं। वह मुस्लिमों को एक ऐसे काल्पनिक शत्रु के रूप पेश करती है, जिनका यहां रहना ही इस देश की सभी समस्याओं की जड़ है। वह मुस्लिम समुदाय से एक नागरिक के रूप में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का बुनियादी अधिकार भी छीन लेना चाहती है। अपनी कल्पना को साकार करने के लिए वह हिंदुओं को लामबंद करना चाहती है। संघ-भाजपा 'हिंदुत्व' की जिस राजनीति की बात करती है, उसका सार यही है। 'हिंदुत्व' शब्द का उपयोग पहली बार सावरकर ने किया था। संघ-भाजपा के इस 'वीर' सपूत ने ही यह कहा है कि हिंदुत्व का हिंदू धर्म से कुछ लेना देना नहीं है और यह सत्ता में पहुंचने के लिए, और सत्ता में पहुंचने के बाद इसमें काबिज रहने के लिए, हिंदुओं को लामबंद करने की राजनीति है। इस आलेख में

हम सावरकर द्वारा अंग्रेजों से माफी मांगने का कोई जिक्र नहीं करेंगे।

सत्ता में बने रहने के लिए धर्म के आधार पर आम जनता में फूट डालने की राजनीति अंग्रेजों ने की थी। धर्म के आधार पर फूट डाल कर राज करने की नीति को ही सांप्रदायिक राजनीति कहते हैं। काले पानी की सैर की कथित वीरता के बाद सावरकर अंग्रेजों की इस राजनीति के हमराह बने थे और उन्होंने अपने इस कदम के औचित्य का प्रतिपादन हिंदुत्व के नाम पर किया था। आजादी के बाद सत्ता में आने के लिए व्याकुल संघ-भाजपा ने देश में अंग्रेजों की इसी राजनीति को आगे बढ़ाया। 1857 के पहले इस देश में कई राजाओं-बादशाहों, सम्राटों और शहंशाहों ने राज किया, अपने राजपाट के दौरान उन्होंने मंदिर-मस्जिद तोड़े-लूटे, लेकिन किसी ने भी अपने राज को स्थाई बनाने के लिए धर्म के आधार पर फूट डालने का काम नहीं किया। यही कारण है कि राजनैतिक शत्रुता के बावजूद न महाराणा प्रताप के खिलाफ अकबर के मन में कोई घृणा थी और न औरंगजेब के खिलाफ शिवाजी महाराज के मन में। राजपाट की दुश्मनी को धार्मिक दुश्मनी के रूप में पेश करके इतिहास को नकारने का काम आज संघ-भाजपा कर रही है, तो यकीन मानिए, उसके मन में न तो महाराणा के लिए कोई इज्जत है और न ही शिवाजी महाराज के लिए कोई सम्मान। ये सब लोग उसकी राजनीति के हथियार बना लिए गए हैं।

अभी औरंगजेब का विवाद शांत भी नहीं हुआ है कि तुगलक को कब्र से बाहर निकाल दिया है भाजपा ने। राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, फरीदाबाद सांसद कृष्णपाल गुर्जर और उप नौसेना प्रमुख किरण देशमुख ने अपने निवासों पर तुगलक लेन की जगह स्वामी विवेकानंद मार्ग की नामपट्टियां लगवा ली हैं। असल में जिस पार्टी के पास आम जनता के असली मुद्दों से टकराने का साहस नहीं होता, वह ऐसे ही मुद्दों पर सुर्खियां बटोरने के काम में लगी रहती है, चाहे उसके परिणाम देश के लिए कितने ही खतरनाक क्यों न हो!

लेकिन स्वामी विवेकानंद की आत्मा भी इससे बेचैन होगी, क्योंकि स्वामीजी भगवाधारी जरूर थे, हिंदू धर्म के अनुयायी और वेदों के ज्ञाता भी थे, लेकिन संघ-भाजपा के भगवा विचारों के संवाहक तो कतई नहीं थे। मुस्लिम द्वेष ने तो उन्हें छुआ भी नहीं था। वे इस्लामी शरीर और वेदांती मस्तिष्क के कायल थे। वे मेहनतकश शूद्रों का, निश्चय ही उनके जमाने में मेहनतकश ही शूद्र थे, का राज आने की भविष्यवाणी कर रहे थे। एक धर्मनिरपेक्ष स्वामी विवेकानंद को एक सांप्रदायिक भगवाधारी में बदलने की कोशिश संघ-भाजपा कर रही है। इसी प्रकार, वे क्रांतिकारी भगतसिंह को अपने सांप्रदायिक जुए में जोतने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भगतसिंह के समाजवादी विचारों से संघ-भाजपा का दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है। वे इस देश के तमाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को अपने बंजर हिंदुत्व के खेतों को जोतने में लगा देना चाहते हैं, क्योंकि उनके पास तो अंग्रेजों की चापलूसी करने वाले सेनानी ही हैं और आज भी भक्तिभाव से अमेरिका की साम्राज्यपरस्ती में लगे हुए हैं। तुगलक कोई पहला बादशाह नहीं था, जिसने अपने राजपाट में सनक भरे फैसले लिए हों, अपनी रियाया के प्रति क्रूरता बरती हो और अय्याशी में डूबा हो। असल में राजतंत्र चलता ही इसी तरह से था, क्योंकि राजा को ईश्वर का प्रतिनिधि माना जाता था और उसकी इच्छा ही सर्वोपरि थी। ये राजा और बादशाह सामंतवादी मूल्यों के संवाहक और प्रतीक हैं। लेकिन किसी शासक ने अपने जीते-जी किसी सड़क का नामकरण अपने नाम से नहीं किया होगा। आखिर, राजा और बादशाह भी नैतिकता के कुछ नियमों का पालन करते ही होंगे। यहां तो हमारे देश में प्रधानमंत्री ने ही एक स्टेडियम का नाम अपने नाम पर रख लिया है और ऐसा करते हुए शायद उसे शर्म भी नहीं आई। इतिहास में नाम लिखाने की जिद्द लोकतंत्र में किसी शासक को इतना गिरा सकती है, तो फिर तो तुगलक की जिद्द राजतंत्र की जिद्द थी।

औरंगजेब, अकबर, बाबर ... और अब तुगलक की बारी है, क्योंकि संघ-भाजपा की सांप्रदायिकता से यारी है! इतिहास के प्रति संघी गिरोह की यह 'तुगलकी सनक' देश का बंटाढार कर दें, इसके पहले ही इतिहास का मिथ्याकरण करने और नई शिक्षा नीति के जरिए उसे पूरे देश पर थोपने की संघी मुहिम के खिलाफ उठकर खड़े होने और सोए हुओं को जगाने की जरूरत है, ताकि आमजनता की बदहाली से जुड़े नीतिगत मुद्दों पर बहस शुरू हो सके।

# जिलाधिकारी के आदेश के बाद ईओ ने दुकानदारों के साथ की बैठक

## किसी के नाम आवंटित दुकाने किसी और का है कब्जा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद । सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम जोगिंदर सिंह से शिकायत हुई कि नगर पंचायत के द्वारा आवंटित लगभग 82 दुकानों में जिन नामों से रसीद काटी गई है उनसे अलग दूसरे दुकानदार मौके पर बैठे है। यह दुकानें दूसरे लोगों के नाम पर आवंटित है जबकि कब्जा किसी ओर का है। जो कि नगर पंचायत के साथ धोखाधड़ी है। डीएम ने शिकायत मिलते ही ईओ को क्रय विक्रय करने वाले दुकानदारों पर एफआईआर के आदेश दिए। जिससे दुकानदारों में खलबली मच गई। दरअसल शाहबाद नगर पंचायत द्वारा सैकड़ों दुकानों का निर्माण कराकर लोगों को रसीद काटकर

दुकानें आवंटित की गई थी। लेकिन कुछ दुकानदारों ने आवंटन के बाद अपनी अपनी दुकानें महंगे दामों पर दूसरे दुकानदारों को बेंच दी। जिसकी शिकायत जिलाधिकारी हुई। डीएम ने समाधान दिवस में ही ईओ पुष्पेंद्र राठौर को तलब कर क्रय विक्रय करने वाले दुकानदारों पर एफआईआर के निर्देश दिए। इसी बीच मंगलवार को नगर पंचायत में चेयरमैन प्रतिनिधि वसीम खा और ईओ पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने उन दुकानदारों की बैठक बुलाई, जो कि गलत तरीके से दुकानों में बैठे है। बैठक में चर्चा की गई कि नगर पंचायत दुकानों में काबिज दुकानदारों को नए सिरे से रसीद काटकर देगी। साथ ही दुकानों का किराया भी बढ़ाया जाएगा। नगर पंचायत के सूत्रों ने बताया कि लगभग 70 दुकानों ऐसी है जिनमें आवंटित नामों से अलग दुकानदार बैठे है।

वही 12 दुकानदारों की मृत्यु हो चुकी है, जिनकी विरासत दर्ज होगी। टोटल लगभग 82 दुकानें ऐसी है जिनमें दर्ज नामों से अलग दुकानदार बैठे है। उनका नए सिरे से आवंटन होगा। जो दुकानदार मौके कर दुकान में काबिज है उनके नाम पर नगर पंचायत रसीद काटकर देगी। नीचे की दुकान की 4 लाख रुपए तो ऊपर की दुकान की रसीद 2 लाख रुपए की काटी जाएगी। साथ ही दुकानों का किराया भी बढ़ाया जाएगा। दुकानदारों को दो दिन का समय दिया गया है उसके बाद कार्रवाई होगी।

# सूखे पेड़ का भारी गुद्दा मार्ग पर गिरने से दो बाइक सवार गंभीर घायल

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद चंदौसी रोड पर लक्खी बाग स्थित शिव मंदिर के ठीक सामने सूखे पेड़ का एक भारी गुद्दा मार्ग पर गिरने से दो बाइक सवार उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आपको बता देंकि ग्राम शाहपुर देव निवासी 60 वर्षीय बादशाह सिंह पुत्र रामचंद्र शाहबाद की ओर से अपने गांव शाहपुर देव जा रहे थे। वहीं सामने से मंगोली निवासी 19 वर्षीय बाबू पुत्र राम सिंह भी अपने घर मंगोली की ओर आ रहे थे ।अभी दोनों की मोटरसाइकिलें लक्खी बाग शिव मंदिर के सामने पहुंची ही थीं कि एक बंदर ने सूखे पेड़ को जमकर हिला दिया जिससे पेड़ का गुद्दा टूटकर मार्ग पर गिरा और दोनों ही बाइक सबार उस गुद्दे के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए ।मौके पर पहुंची एंबुलेंस अप 32 ईजी 4871 पर तैनात चालक सचिन कुमार और ईएमटी प्रमोद कुमार ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने दोनों को प्राथमिक उपचार देकर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया था। परंतु दोनों के परिजन उन्हें बेहतर इलाज के लिए मुरादाबाद ले गए। मौके पर उप निरीक्षक आदेश कुमार, अमित कुमार और दिवाकर सिद्धू भी पहुंच गए थे।

# महाकुंभ भगदड़: जांच आयोग ने आम जनता से मांगे साक्ष्य, इस नंबर पर भेज सकते हैं तस्वीरें और वीडियो

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ । कुंभ मेला में हुई भगदड़ की जांच कर रहे आयोग ने आम जनता से इस घटना से जुड़े साक्ष्य देने के लिए आग्रह किया है। इसके लिए नंबर और मेल आईडी जारी हुई है।

महाकुंभ मेला में भगदड़ से हुई मौतों की घटना की जांच को गठित तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग ने आम जनमानस से साक्ष्य उपलब्ध कराने की अपील की है। आयोग के सचिव संतोष कुमार सिंह ने बताया कि 29 जनवरी 2025 को प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दौरान मेला क्षेत्र में हुई भगदड़ की घटना में कतिपय श्रद्वालुओं के संबंध में घटित अप्रिय घटना की आयोग द्वारा जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि घटना

के तथ्यों एवं परिस्थितियों से भिज्ञ समस्त व्यक्ति अपना कथन, शपथ पत्र व जिस किसी व्यक्ति के पास घटना से संबंधित उसके द्वारा बनाई कोई मूल वीडियो हो, उसे आयोग को उपलब्ध करा सकता है। वीडियो मूल रूप से 10 दिवस के भीतर हजरतगंज के जनपथ सचिवालय के कमरा नंबर 108, ई-मेल mahakumbhcom-mission@gmail.com अथवा व्हाट्सअप नंबर 9454400596 पर उपलब्ध करा सकते हैं।

अधिक सहायता के लिए फोन नंबर 0522-2613568 पर संपर्क कर सकते हैं। बता दें कि राज्य सरकार ने इस प्रकरण की जांच के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया था, जिसमें सेवानिवृत्त आईपीएस वीके गुप्ता व सेवानिवृत्त आईएएस दिनेश कुमार सिंह को सदस्य बनाया गया था।

# विकास भवन में कूड़े के ढेर में लगाई आग, दो पेड़ भी सुलगे

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) में कूड़ा जलाना प्रतिबंधित है, साथ ही हरे पेड़ों के कटान पर भी रोक है। मथुरा भी टीटीजेड में शामिल है, लेकिन यहां के अधिकारियों को शायद ये याद नहीं है। सोमवार को विकास भवन में न केवल कूड़ा जलाया गया, बल्कि कूड़े से उठने वाली लपटों ने दो हरे पेड़ों को भी चपेट में ले लिया। दोनों पेड़ सुलग रहे हैं, धुएं के गुबार उठ रहे हैं, लेकिन नियमों का पाठ पढ़ाने वाले अफसर अंजान बने हुए हैं।

शासन के नियमों का पालन कराने का जिम्मा जिन अफसरों पर है, उन्हीं की नाक के नीचे नियमों को धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सोमवार को विकास भवन में कर्मचारियों ने कूड़े के ढेर में आग लगा दी। सुबह 8 बजे से सुलग रही आग दोपहर तक पूरे ढेर में धधक उठी। धीरे-धीरे आग ने कूड़े के ढेर के पास ही खड़े दो हरे पेड़ों को भी अपनी चपेट में ले लिया। दोनों पेड़ भी सुलगने लगे। पूरे दिन कूड़े का ढेर और ये दोनों पेड़ सुलगते रहे, लेकिन जिम्मेदार इससे बेखबर ही रहे। कहने को तो विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक और जिला पंचायत राज अधिकारी समेत कई अधिकारी बैठते हैं, लेकिन किसी की नजर इस धधकते कूड़े के ढेर पर नहीं गई। बीते माह मंडलायुक्त आगरा की अध्यक्षता में आयोजित टीटीजेड की बैठक में मथुरा के अधिकारियों को भी नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए थे। नियमों का कितना पालन हो रहा है, इसका अंदाजा विकास भवन में जलते कूड़े के ढेर और सुलगते पेड़ों को देखकर लगाया जा सकता है।

# कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट पर नौ करोड़ का गृहकर बकाया, बैंक खाता

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ ।लखनऊ नगर निगम में गृहकर बकाया होने पर शहर स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट पर बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम ने कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट एंड हॉस्पिटल का बैंक खाता सीज कर दिया है। गृहकर बकाएदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नगर निगम ने मंगलवार को कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट का बैंक खाता सीज कर दिया। यह कार्रवाई 9.02 करोड़ रुपये गृहकर बकाए को लेकर की गई है।

# घूंघट की ओट से जेठों पर भी बरसीं लाठियां

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। मांट के जाबरा में चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी के अवसर पर आयोजित हुरंगे में घूंघट की ओट से हुरियारियों ने जेठ स्वरूप हुरियारों पर भी लाठियां बरसाईं। अंत में जाबरा हुरंगा कमेटी द्वारा महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

हुरंगे की शुरूआत गांव की परिक्रमा से की गई। हुरियारिनें घूंघट ओढे. और हाथों में लाठियां लेकर हुरंगे में हुरियारों संग लठामार होली खेलतीं नजर आईं। काफी दूर तक महिलाओं ने हुरियारों दौड़ाया। झंडी पकड़ने के लिए कई महिलाओं ने दौड़ लगाई। वृद्ध नगाड़े की धुन पर समाज गायन पर नृत्य करते दिखे। प्रहलाद सिंह और सोनवीर सिंह ने बताया हुरंगे के बाद जाबरा में होली पर होने वाले पांच दिवसीय होली महोत्सव का समापन हो गया है। सभी हुरियारिनों को फगुआ के फाग का वितरण हुआ।

# हिंदू पक्ष ने बसौड़ा पूजा के लिए शासन से मांगी अनुमति

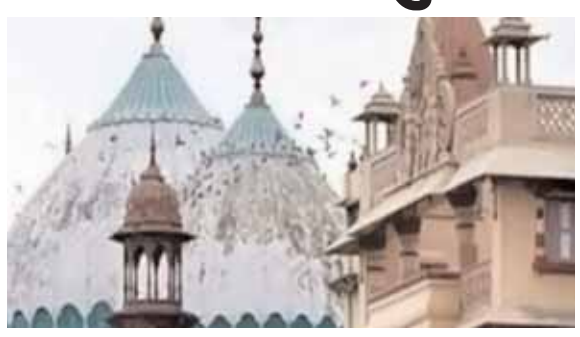

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह मस्जिद मामले में हिंदू पक्षकारों ने डीएम व शासन को पत्र लिखकर श्रीकृष्ण कूप पर बसौड़ा पूजा और श्रीकृष्ण जन्मभूमि की अखंड परिक्रमा करने की अनुमति मांगी है। श्रीकृष्ण कूप पर माता शीतला की सप्तमी एवं अष्टमी पर सालों से परंपरागत पूजा होती है। इसी को लेकर उन्होंने पूजा करने की अनुमति के साथ-साथ सुरक्षा की भी मांग की है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्याय के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह और श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने बताया है कि होली के बाद श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा के विवादित परिसर स्थित श्रीकृष्ण कूप पर माता शीतला सप्तमी एवं अष्टमी पर सालों से परंपरागत पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी के दिन अखंड श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर की परिक्रमा की जाती है। इस पर शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के सदस्य परंपरागत पूजा व परिक्रमा का विरोध करते हैं। इस पर हिंदू पक्षकारों ने 19 से लेकर 22 मार्च तक बसौड़ा पूजा सकुशल संपन्न कराने की मांग की है। हालांकि प्रशासन ने की तरफ से अभी कोई जवाब नहीं दिया गया है।

तनवीर अहमद, शाही ईदगाह मस्जिद के पक्षकार ने कहा, हिंदू पक्ष जहां श्रीकृष्ण कूप होने का दावा करता है, वहां कभी पूजा नहीं हुई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति नहीं दी है। शीतला देवी मंदिर में बसौड़ा पूजा होती है। मस्जिद के पास कोई श्रीकृष्ण कूप नहीं है।

# 27 महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान मिला

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा होली मिलन समारोह मनाया गया। इसमें अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाली समाज की 27 महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग एवं राष्ट्रीय संरक्षक अजय कांत गर्ग के साथ ही सभी पदाधिकारी द्वारा ठाकुर बांकेबिहारी की छवि के सम्मुख दीप जलाकर किया। सभी सदस्यों को अशोक अग्रवाल, राधा अग्रवाल ने चंदन एवं गुलाल लगाया। मुख्य अतिथि को जिला अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल,

बृज प्रदेश अध्यक्ष धीरज गोयल, जिला महामंत्री अनुराग मित्तल द्वारा दुपट्टा ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अयोध्या धाम से आईं प्रसिद्ध भजन गायिका बंकू सिस्टर द्वारा अपने भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं, इसके साथ ही राधा कृष्ण के स्वरूपों के साथ फूलों की होली भी खेली गई। अंकित गोयल, राधिका अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, इशिका गर्ग, निकिता गर्ग को संरक्षक अजय कांत गर्ग ने उपहार देकर सम्मानित किया।

संचालन दीक्षा सिंह ने किया। अशोक, राधा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जीतू, भूमिका गर्ग, कौशल, निकिता अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, विनीत आदि लोग मौजूद रहे।

**औरंगजेब का मुद्दा** अखिलेश बोले- विफलता छिपाने के लिए उछाला जा रहा है औरंगजेब का मुद्दा

# बांकेबिहारी मंदिर में सुरक्षा गार्डों ने लेखपाल को पीटा, परिजनों के भी आईं चोटें, मुकदमा दर्ज

मथुरा। वृंदावन में बांकेबिहारी मंदिर में सुरक्षा गार्डों ने मंदिर में परिवार सहित दर्शन करने पहुंचे लेखपाल और उनके परिजन के साथ मारपीट कर दी। नायब तहसीलदार के अर्दली और लेखपाल के परिजन चोटिल हो गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत सिटी मजिस्ट्रेट से की तो उन्होंने एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। थाना पुलिस ने इस मामले में अज्ञात सुरक्षा गार्डों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार संजय कुमार जोकि लेखपाल वीआईपी प्रोटोकॉल हैं। अपने सहयोगी सौरव कुमार (पीएस) और अन्य परिजन के साथ 15 मार्च को बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। जब वह गेट नंबर 2 और 4 के बीच स्थित प्रवेश द्वार पर पहुंचे तो वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

लेखपाल ने जब विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की। परिजन और उनके साथ आए नायब तहसीलदार के अर्दली विनोद कुमार ने बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट की। उनके चोटें भी आईं हैं।

# मायावती ने कहा-कब्र तोड़ना ठीक नहीं

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूर

लखनऊ। नागपुर में औरंगजेब के नाम पर हुई हिंसा पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकार पर तल्ख टिप्पणी की है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अपनी विफलता छिपाने के लिए संभल और औरंगजेब जैसे मुद्दे उछाल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हत्या, लूट और अपराध चरम पर है। सत्ता के संरक्षण में दबंगों, अराजक तत्वों और अपराधियों के हौसले बढ़े हुए है। शाहजहांपुर में पुलिस को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया।

बरेली में डीएसपी का घर और गाड़ी जला दी गयी। उन्नाव में युवक की हत्या हो गई। जेल के अधिकारी अपने ही अधिकारी पर

**प्रदेश में हत्या, लूट और अपराध चरम पर है। सत्ता के संरक्षण में दबंगों, अराजक तत्वों और अपराधियों के हौसले बढ़े हुए है। शाहजहांपुर में पुलिस को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया।**

आरोप लगा रहे हैं। उनकी शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अखिलेश ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार पुलिस से गलत काम करा रही है।

भाजपा ने उपचुनाव में पुलिस के जरिये बूथों को लूटा है। भाजपा अपने राजनीतिक लाभ के लिए पुलिस का दुरुपयोग कर रही है।

**नागपुर के अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे सरकार : मायावती**

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सरकार को नागपुर के अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, नहीं तो हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि महाराष्ट्र में किसी की कब्र व मजार आदि को क्षति पहुंचाना और तोड़ना ठीक नहीं है। इससे वहां आपसी भाईचारा, शांति व सौहार्द बिगड़ रहा है।

# रंगपंचमी के लिये विख्यात है राखपंचमपुर मेला

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर विकास खण्ड जखौरा क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम राखपंचमपुर में होली पर्व की रंगपंचमी पर श्री श्री 1008 श्री सिद्ध बाबा मन्दिर पर भव्य मेला लगता है यहां का मेला बुन्देलखण्ड सहित आसपास के जिलों में प्रसिद्ध है मेला में हर साल लाखो श्रद्धालु सिद्ध बाबा मन्दिर पर दर्शन करने के पहुंचते है और अपनी हाजिरी दर्ज कराते है यह मेला सिद्ध बाबा के चमत्कारों के लिये भी जाना जाता है सिद्ध बाबा की पवित्र भभूति (राख) फोड़ा फुन्सी पर लगाने से ठीक हो जाती है और पवित्र भभूति (राख) को अपने शरीर पर लगाने से कई असाध्य रोग वाले मरीजों को आराम मिलता है यह मेला 18 मार्च से शुरू होकर 23 मार्च तक चलेगा होली की रंगपंचमी पर लगने वाले राखपंचमपुर मेला की प्रसिद्धि निरंतर बढ़ती ही जा रही है इसे वार्षिक कैलेण्डर में स्थान दिया जाता है सिद्ध बाबा का मन्दिर आस्था का केन्द्र बनता जा रहा है यहां फोड़ा और फुन्सी से लेकर लाइलाज बीमारी सिद्ध बाबा की पवित्र भभूति (राख) लगाने से ठीक होती है सिद्ध बाबा मन्दिर का चमत्कार ग्रामवासियों व बाहर से आये हुये श्रद्धालुओं के मुंह से सुने जा सकते है लोगो का कहना है कि जब चिकित्सक उपचार करने से मनाही कर देते है तो सिद्ध बाबा ऐसे मरीजों की मदद करते है राखपंचमपुर मेला लगने के दौरान यहां आसपास से निकली रेलपटरियों पर प्रत्येक ट्रेन को रोका जाता है मान्यता है कि एक बार रंगपंचमी के दिन एक ट्रेन दोपहर के समय यहां से गुजर रही थी जैसे ही सिद्ध बाबा मन्दिर के सामने ट्रेन का इन्जन आया और वह बन्द हो गया जिससे ट्रेन खड़ी रही ट्रेन की जांच करने के लिये झांसी से इंजीनियर को बुलवाया गया इसके बावजूद भी इन्जन ठीक नहीं हुआ तब किसी राहगीर ने बताया कि आज रंग पंचमी है और पास में ही सिद्ध बाबा मंदिर पर सिद्ध बाबा का मेला लगा हुआ है अगर आप सिद्ध बाबा मंदिर पर सिद्ध बाबा के दर्शन करने जायेगे तो शायद यह ठीक हो जाये और हुआ भी ऐसा ही जब ट्रेन का ड्राईवर सिद्ध बाबा मंदिर पर आया और सिद्ध बाबा के दर्शन किये फिर जाकर ट्रेन का इन्जन स्टार्ट किया तो वह चालू हो गया तब से परम्परा चली आ रही है कि रंगपंचमी के दिन यहां प्रत्येक ट्रेन को रोका जाता है सिद्ध बाबा के दर्शन करने के लिये वैसे तो साल भर श्रद्धालुओं का ताता लगा रहता है लेकिन रंगपंचमी के दिन सिद्ध बाबा मंदिर पर लाखो श्रद्धालुओं का इतना सैलाव उमड़ता है कि व्यवस्थायें भी कम पड़ जाती है ललितपुर शहर से राखपंचमपुर सिद्ध बाबा मन्दिर लगभग अठारह किलोमीटर दूरी पर है

मुख्य पुजारी शिवलाल पन्डा श्री सिद्ध बाबा मन्दिर ग्राम राखपंचमपुर

मुख्य पुजारी शिवलाल पन्डा ने बताया कि छै पीड़ियों लगभग तीन सौ बाबन वर्ष से यहां मेले का आयोजन किया जा रहा है यह मेला सिद्ध बाबा के चमत्कारों के लिये जाना जाता है लोगों में मान्यता है कि यहां पर कोई भी रोगी फोड़ा, फुन्सी,कैन्सर बड़ी से बड़ी बीमारी व ऐसे रोग जो असाध्य हो गये है उपचार लेने के बाद रोगी ठीक नहीं हो रहे है ऐसे रोगी सिद्ध बाबा की पवित्र भभूति (राख) लगाने से ठीक हो जाते है लगभग चालीस साल से सिद्ध बाबा की सेवा में लगे हुये है मन्दिर पर आने वाले श्रद्धालु अपनी समस्या बताते है तो हम उन्हें नीम के झोरे से झाड़कर उनके शरीर पर पवित्र भभूति (राख) का लेपन कर देते है जिससे श्रद्धालुओं को आराम मिल जाता है फिर श्रद्धालु रंगपंचमी के दिन सिद्ध बाबा मन्दिर पर आकर सीदा, प्रसाद चढ़ाते है।

# सभी से मिलकर व सहमति से करूंगा कार्य : हरिश्चंद्र रावत

**एनपीटी ब्यूरो ललितपुर**

ललितपुर वरिष्ठ भाजपा नेता तालबेहट निवासी हरिश्चंद्र रावत होंगे भाजपा के जिलाध्यक्ष की घोषणा चुनाव अधिकारी रामचंद्र मिश्रा ने प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद व राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ आदि की मौजूदगी में की। नए जिला अध्यक्ष की घोषणा होते ही उनके समर्थकों ने फूल बरसा कर व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया व रंग गुलाल उड़ाकर होली मनाई। इस दौरान जिला अध्यक्ष ने सभी के साथ मिलकर और सभी की सहमति से कार्य करने का आवाहन किया।

जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र रावत की घोषणा होते ही तालियों की गड़गड़ाहट से सदन गूंज उठा और नए जिला अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उनके समर्थकों और सभी भाजपाइयों ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया और रंग गुलाल उड़ाकर नए वरिष्ठ भाजपाई हरिश्चंद्र रावत बने जनपद के नये जिला अध्यक्ष

जिला अध्यक्ष की खुशियां मनाई। इस मौके पर प्रभारी मंत्री श्रम सेवा योजन राज्य मंत्री सदर विधायक वरिष्ठ भाजपाई नेता एवं भाजपा जिला अध्यक्ष की दौड़ में शामिल कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की, और गले लगाया।

इस मौके पर नए जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने कहा कि मैं निष्ठा के साथ पार्टी से जुड़ा हुआ हूं और अपना जीवन पार्टी के लिए समर्पित कर दूंगा, उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पूर्व जिला अध्यक्ष और सभी के साथ मिलकर जनहित के के कार्य करते हुए पार्टी के आदर्शों पर चलकर कार्य संपादित करूंगा व मैं किसी को भी शिकायत का मौका नहीं दूंगा। इसके उपरांत पूरे जनपद में जुलूस निकाल कर समर्थको ने खुशियाँ मनाई।

# अधिवक्ता ने पुलिस कर्मियों पर लगाये मारपीट के आरोप

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर नगर के मोहल्ला गांधी नगर में रहने वाले एक अधिवक्ता ने गोविन्द सागर बांध चौकी में पक्षकार की पैरवी करने पहुंचने पर अपमानित कर मारपीट करने के आरोप लगाते हुये महामहिम राष्ट्रपति, सीजेआई/राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, राज्यपाल उ.प्र., मुख्य न्यायाधीश उ.प्र., जिला जज ललितपुर, बार काउंसिल ऑफ इण्डिया के अलावा कई आलाधिकारियों के समक्ष ई-मेल के जरिए शिकायत दर्ज करायी है।

थाना जाखलौन के ग्राम माताखेड़ा मादौन व हाल गांधीनगर नई बस्ती निवासी जितेन्द्र सिंह पुत्र अजय पाल सिंह ने शिकायती पत्र में बताया कि 13 मार्च की शाम करीब 5.10 बजे उसके भतीजे धर्मेंद्र पुत्र पवन को फोन आया, जिसके जरिए उसे गोविन्द सागर बांध चौकी बुलाया गया। उसी समय विधिक सेवा प्राधिकरण में असिस्टेंट लीगल एण्ड डिफेन्स काउंसिल अधिवक्ता राहुल गौतम से बात की और विधिक सहायता की मांग की। बताया कि वह अधिवक्ता राहुल गौतम के साथ चौकी पहुंचे, जहां अधिवक्ता ने परिचय देकर घटना की जानकारी मांगी और अपने भतीजे को चौकी में बैठाने का कारण पूछा तो वहां मौजूद आरक्षी ने अभद्रता कर दी। आरोप है कि वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें घसीटते हुये लाठी-डण्डों व लात-घूसों से अमानवीय क्रूरता से मारपीट कर दी। यह भी आरोप है कि उक्त लोगों द्वारा अधिवक्ता के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुये मारपीट की गयी। मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गयी, जिस पर कार्यवाही न करते हुये उल्टा पीडित पक्ष को ही लॉकअप में डाल दिया गया। मामले की सूचना मिलने पर अधिवक्ता राहुल गौतम की पत्नी ने तत्काल विधिक सेवा प्राधिकरण के चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल वैभव जैन को फोन पर सूचना दी। सूचना मिलने पर इनका कहना है- आईजीआरएस पर की गयी शिकायत के निस्तारण के लिये अधिवक्ता के पक्षकार को चौकी वुलाया गया था। अधिवक्ता द्वारा पुलिस कर्मियों पर लगाये गये आरोप की जांच की जा रही है। जांच उपरांत सत्यता सामने आने के उपरांत अग्रिम कार्यवाही अमल में लगायी जायेगी।

- अभय नारायण राय
सदर क्षेत्राधिकारी

जब वैभव कुमार व विक्रम सिंह ठाकुर थाने पहुंचे तो अधिवक्ता को नहीं छोड़ा गया। मामले की सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला जज को अवगत कराया गया, तत्पश्चात सीओ सदर अभय नारायण राय कोतवाली पहुंचे और शाम करीब 7 बजे लॉकअप से छोड़ा गया। अधिवक्ता जितेन्द्र सिंह ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर क्रूर व्यवहार करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

# अविलंब लागू किया जाए पत्रकार सुरक्षा कानून : ग्रापए

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर सीतापुर में पत्रकार हत्याकाण्ड मामले में सोमवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ललितपुर के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। जिसमें सीतापुर के दिवंगत पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई को न्याय और एक करोड़ रुपए मुआवजा राशि दिलाए

उसे जिला स्थायी समिति के समक्ष लाए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि जनपद सीतापुर में दैनिक जागरण समाचार पत्र के संवाददाता राघवेंद्र बाजपेई द्वारा धान खरीद एवं जमीन संबंधी समाचार प्रकाशित करने पर बदमाशों ने जघन्य तरीके से हत्या कर मौत के घाट उतार दिया गया है। इससे पत्रकारों का अपूर्णनीय क्षति हुई है और पत्रकारों में अपने ही कलम के प्रति भय का वातावरण व्याप्त हो गया है। इस मामले में मुख्यमंत्री से मांग की है कि सीतापुर के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। फास्ट ट्रैक में मुकदमा चलाकर फांसी दिया जाए। पत्रकार सुरक्षा कानून को अविलंब लागू किया जाए। पत्रकार के परिजनों को एक करोड का मुआवजा रोकने के लिए तत्काल प्रभावी कदम सरकार द्वारा उठाया जाएं। पत्रकारों पर मामला दर्ज होने से पूर्व जिला स्थाई समिति ललितपुर को भेजा जाए और समिति की स्वीकृति उपरांत ही मामला दर्ज किया जाए। इस दौरान जिलाध्यक्ष सम्राट राजा, अभिषेक जैन अनौरा, रामेश्वर पाल, तुलसीराम अहिरवार, दीपेश राय, जयहिंद बुन्देला, विजय सिंह सेंगर, सुरेन्द्र रजक करमरा, सुनील पाल, जीवन पाल, कमलेश अहिरवार, राजपाल यादव, सुरेन्द्र निरंजन, जितेन्द्र सिसोदिया, राजाबाबू बुन्देला, मनोज प्रजापति, अभिषेक परमार, राजपाल कुशवाहा, आकाश राय, राघवेन्द्र पाल अक्षय शर्मा, अभय पाल, जितेन्द्र तिवारी।

# गोली मारकर ग्रामीण की हत्या करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

चित्रकूट ब्यूरोः बीते सोमवार की शाम थाना पहाड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत कलवारा बुजुर्ग में बेटे के सामने पिता को गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त तमंचा- कारतूस व लाठी भी बमराद की है।

मंगलवार को जिला मुख्यालय में हुई पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बीती सोमवार की शाम थाना पहाड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत कलवारा बुजुर्ग निवासी विपिन कुमार बाजपेयी पुत्र शिवचरन बाजपेयी उर्फ कल्लू ने थाना पहाड़ी पर सूचना दी कि वह शाम के समय अपने पिता शिवचरन बाजपेयी, माता रेखा देवी व अपने मामा अखिलेश कुमार के साथ अपने घर के दरवाजे के सामने बैठे हुए थे। इस दौरान गांव का ही रहने वाला उनका पड़ोसी शेषनरायण मिश्रा उर्फ पिन्टू मिश्रा गाली गलौच करते हुए उनके दरवाजे के सामने आया उसके पिता को गाली देने लगा। पिता द्वारा गाली देने का विरोध करने पर उसने तमंचा निकालकर उसके पिता के सीने में गोली मार दी और अपने घर की तरफ भागने लगा। इस दौरान रास्ते में उनके पड़ोस में रहने वाले लक्ष्मीनारायण तिवारी उर्फ बालजी तिवारी पुत्र शंकरदयाल को भी गोली मार दी, जिससे वह भी घायल हो गए। तमंचे से फायर की आवाज सुनकर मौके पर ग्रामीण पहुंच गए तथा दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहाड़ी में भर्ती कराया। जहां शिवचरन बाजपेयी उर्फ कल्लू को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल लक्ष्मी नारायण तिवारी उर्फ बालजी तिवारी को गंभीर हालत के चलते प्राथमिक इलाज के बाद प्रयागराज रिफर कर दिया। इस सूचना पर आरोपी के विरुद्ध थाना पहाड़ी में सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पहाड़ी थाना प्रभारी रीता सिंह को निर्देश दिए गए थे। जिसके बाद तलाश करते हुए पहाड़ी थाना प्रभारी व उनकी टीम द्वारा पिपरोंदर चैराहा के पास से आरोपी शेषनरायण मिश्रा उर्फ पिन्टू मिश्रा को घटना में प्रयुक्त तमंचा-कारतूस व लाठी के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में पहाड़ी थाना प्रभारी सहित अपराध निरीक्षक प्रभुनाथ यादव, उपनिरीक्षक जंगबहादुर सिंह, अरमान आलम, अभिनव प्रताप सिंह, चालक मुख्य आरक्षी नरेन्द्र पाल सिंह, आरक्षी दीपक सिंह, सचिन कुमार, आनन्द प्रताप सिंह व शरद कुमार सिंह शामिल रहे। बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी के विरुद्ध थाना पहाड़ी में जिला बदर व पाक्सो एक्ट सहित आधा दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज है।

# छात्रों को बेहतर शैक्षणिक उपलब्ध कराएगा विश्वविद्यालय- प्रो. शिशिर

चित्रकूट ब्यूरोः जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय में मंगलवार को जनपद के माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों का सम्मान समारोह एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा के जरिए राष्ट्र निर्माण पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय ने कहा कि विद्यालय ही विश्वविद्यालय की नींव होते हैं। विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी ही उच्च शिक्षा में नामांकित होते हैं। अतः माध्यमिक विद्यालय से ही विद्यार्थियों को यह प्रेरणा देनी चाहिए कि वह अपनी योग्यतानुसार उचित व्यावसायिक पाठ्यक्रम एवं अकादमी पाठ्यक्रम का चयन कर निकटवर्ती उच्च शिक्षा संस्थान में प्रवेश सुनिश्चित करे। इसी दिशा में विश्वविद्यालय का भी यह प्रयास है कि अधिक से अधिक छात्रों का विश्वविद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित हो ताकि वह विश्वविद्यालय के समावेशी वातावरण में अध्ययन कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। कहा कि यह विश्वविद्यालय भारत का प्रथम दिव्यांग विश्वविद्यालय है। जिसमें दिव्यांग एवं सामान्य दोनों प्रकार के विद्यार्थियों को राज्य सरकार के द्वारा अध्ययन की सुविधा प्राप्त है। उन्होंने प्रधानाचार्यों का सम्मान गुरु शिष्य परंपरा का सम्मान बताते हुए कहा कि किसी भी विद्यालय के प्रधानाचार्य उसके प्रेरणास्रोत होते हैं। निश्चित रूप से प्रधानाचार्य की भूमिका विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अपरिहार्य होती है। उन्हीं के नेतृत्व में नई पीढ़ी अपना भविष्य संवारती है। उन्होंने विश्वविद्यालय और विद्यालयों को सतत संपर्क में रहने की आवश्यकता पर बल दिया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक शैक्षणिक प्रयास में उनका प्रशासनिक सहयोग हमेशा रहेगा। उन्होंने समस्त विश्वविद्यालय परिवार और प्रधानाचार्यों को होली की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान कार्यक्रम में लगभग 60 से अधिक प्राचार्य एवं प्रधानाचार्यों का सम्मान किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ गोपाल कुमार मिश्र ने किया।

# राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ डीएम ने किया वेयरहाउस का निरीक्षण

चित्रकूट ब्यूरोः जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक बाह्य एवं आंतरिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के संचालन को देखा। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने के निर्देश दिए। साथ ही कमैरों को संचालित रखने तथा कैमरों के खराब होने की दशा में तत्काल बदलवाने के निर्देश दिए। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी से जिला उपाध्यक्ष आनंद पटेल, समाजवादी पार्टी से अमर पटेल, बहुजन समाज पार्टी से सोनपाल वर्मा, आम आदमी पार्टी से संतोषी लाल शुक्ला, अपना दल (सोनेलाल) के जिलाध्यक्ष रामसिया पटेल, भारतीय राष्ट्रीय कौंग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल सहित अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

# भाजपा सरकार में हो रहा पूरे प्रदेश का समुचित विकास- महेन्द्र

चित्रकूट ब्यूरोः भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य ने मंगलवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं के आवास में जाकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रूठों को मनाने की मुहिम भी शुरू कर दी है।

भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य ने मंगलवार को पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, भाजपा नेत्री रंजना उपाध्याय, भाजयुमो जिलाध्यक्ष हीरो मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष आनंद सिंह पटेल, विपुल प्रताप सिंह, पूर्व सभासद जवाहर सोनी, पूर्व नगर अध्यक्ष श्याम गुप्ता आदि से उनके आवासों पर जाकर मुलाकात की। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी सीएम योगी के नेतृत्व में चित्रकूट समेत पूरे उत्तर प्रदेश का समुचित विकास हो रहा है। गुंडे, माफिया या तो प्रदेश छोड़ रहे है या फिर जेल में है। विपक्षी दलों के पास बौखलाहट में सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार करने के अलावा कोई काम नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्धारित कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया जाएगा। साथ ही किसी कारणवश यदि पार्टी के कार्यकर्ता रूठे है, तो उन्हें मनाकर फिर से सक्रिय किया जाएगा। आने वाले पंचायत चुनाव में और इसके बाद विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों को शत-प्रतिशत सफलता दिलाने के संकल्प के साथ काम शुरू होगा। इस मौके पर भाजपा के जिला मंत्री मनोज तिवारी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष जगदीश अग्रहरि, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष अभिषेक ओझा, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुशील द्विवेदी, राहुल सेन आदि मौजूद रहे।

# बुढ़वा मंगल पर हुआ अखंड रामनाम संकीर्तन का आयोजन

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

चित्रकूट ब्यूरोः मंदाकिनी नदी तट पर स्थित सिद्धपीठ बूडे के हनुमान मंदिर में बुढ़वा मंगल को अखंड रामनाम संकीर्तन, सुंदरकाण्ड पाठ व भण्डारे का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने भगवान का दर्शन करते हुए एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। साथ ही प्रसाद भी ग्रहण किया। बुढ़वा मंगलवार की सुबह से ही बूडे हनुमान मंदिर में दर्शन करने के लिए भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। इस अवसर पर मंदिर को फूलों से सजाया गया था और अखंड रामनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया था। इसके बाद दोपहर में भण्डारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें साधू-संतों समेंत हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद शाम चार बजे से सामूहिक सुंदरकाण्ड का भक्तों ने पाठ किया। साथ ही विधिवत पूजन के बाद पुजारी रामजीदास महराज ने आरती की। आरती के बाद भक्तों को बूंदी और ठंडई का प्रसाद वितरित किया गया। देर रात्रि तक हुए इस धार्मिक आयोजनों में भक्तजन जयश्री राम और जयबजरंगी के जयघोष लगाते रहे।

# मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाने में सहयोग करें राजनीतिक दल

चित्रकूट ब्यूरोः जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टरेट सभागार में राजनीतिक दलों के साथ निर्वाचन संबंधी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बीएलए की नियुक्ति करने, निर्वाचक नामावली का पुनरीक्षण करने सहित अन्य अनुरोध किए।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा राजनीतिक दलों से विकेन्द्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का, सक्रिय रूप से सहयोग करने की अपील की गई है। कहा कि संविधान और वैधानिक ढांचे के अनुसार चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं में पहचाने गये हित धारको में राजनीतिक दल भी प्रमुख हित धारक है। बताया कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा दावे और आपत्तियों का गुणवत्तापरक नियमानुसार एवं समयान्तर्गत निस्तारण किया जाना है। परिवर्तन, अपमार्जन से सम्बन्धित सभी प्रकरणों का निस्तारण आयोग के दिशा-निदेर्शों, सुसंगत नियमों इत्यादि के अवलोकन में किया जाना है। इस सम्बन्ध में सभी बूथ लेबिल अधिकारियों को

संवेदनशील किये जाने के निर्देश दिये गये है। राजनीतिक दलों से कहा कि मतदाता सूची में किसी का कई बार नाम होता है तथा किसी का नाम गलत होता है, उसमें परिवर्तन, संशोधन या जोड़ने में त्रुटि नहीं होनी चाहिए। मतदाता सूची से सम्बन्धित प्राप्त कराये गये अभिलेखों का स्वयं या नियुक्त किये गये बूथ लेबिल एजेन्टों के माध्यम से निरीक्षण करा लें ताकि मतदाता सूची में काई त्रुटि न रहने पाये।

जिलाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि यदि अभी तक उनके द्वारा बूथ लेबिल एजेन्टों की नियुक्ति नही की गयी है, तो तीन दिवस के अन्दर बीएलए की नियुक्ति कर, हार्ड एवं शाफ्ट कापी में सूची जिला निर्वाचन कार्यालय और सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी या उप जिलाधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराएं। कहा कि सभी राजनीतिक दल निर्वाचक नामवलियों के वर्तमान में गतिमान निरीक्षण पुनरीक्षण से सम्बन्धित कोई बिन्दु या सुझाव जिला स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, उप जिलाधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार, सुपरवाइजर, बीएलओ एवं बीएलए आदि के माध्यम से उपलब्ध करा सकते है।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी से अमर पटेल, बहुजन समाज पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष सोनपाल वर्मा, जिलाध्यक्ष अपना दल (सोनेलाल) रामसिया पटेल, आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष संतोषी लाल शुक्ला, जिलाध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय कौंग्रेस कुशल सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी आनंद पटेल सहित अन्य पार्टियों के प्रतिनिधि, सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

# भजनलाल शर्मा सरकार की नई घोषणाओं से महिलाओं को मिलेगी मजबूती और बच्चों को बेहतर पोषण

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

खैरथल-तिजारा, 18 मार्च। राज्य सरकार ने लाडो प्रोत्साहन योजना में महत्वपूर्ण बदलाव करने की घोषणा की है। अब सेविंग बॉण्ड की राशि एक लाख के बजाय डेढ़ लाख रुपए दी जाएगी। इसके अलावा, आंगनबाड़ी केन्द्रों में अतिकुपोषित बच्चों को प्रदान किए जाने वाले दूध की मात्रा को भी 15 ग्राम से बढ़ाकर 25 ग्राम प्रति पैकेट किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह घोषणाएं बजट 2025-2026 के वित्त एवं विनियोग विधेयक चर्चा के दौरान की। उनका कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य मातृ और बाल स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना है। खासतौर पर अति गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या को कम करने के लिए यह कदम आवश्यक है।

10 महिलाओं को किया जाएगा सम्मानित

लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी, और पशु सखियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए टेबलेट के माध्यम से सम्मानित किया जाएगा। इसके तहत हर ब्लॉक में उत्कृष्ट काम करने वाली 10 महिलाओं को सम्मानित करने का प्रस्ताव है, जिससे उनकी कार्य कुशलता में वृद्धि हो सके।

**1.5 प्रतिशत की ब्याज दर पर मिलेगा ऋण**

महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ावा देने के लिए, लखपति दीदी के लिए 1.5 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण की व्यवस्था की गई है। ये सभी घोषणाएं महिलाएं और बच्चों के विकास को प्राथमिकता देने के लिए की गई हैं, जिससे राज्य में समग्र विकास को साकार किया जा सके।

# जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने किया खैरथल पुलिस थाना का निरीक्षण

खैरथल-तिजारा, 18 मार्च। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने मंगलवार को खैरथल थाने का निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने थाने की साफ-सफाई, रिकॉर्ड्स की जांच और लंबित मामलों की स्थिति का जायजा लिया।

सर्वप्रथम जिला कलेक्टर ने पुलिस थाना खैरथल स्थित बंदी ग्रह, मालखाना सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों का निरीक्षण कर गत माह में दर्ज हुए मामलों की जानकारी ली। उन्होंने थाने में स्वीकृत कुल पद पर लगे हुए सभी पुलिसकर्मी की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने थाने में मुख्यतः दर्ज होने वाले प्रकरणों की अपराधिक प्रकृति की जानकारी ली।

उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रकरणों को निस्तारित कर संबंधित को सहायता राशि दिलाने के निर्देश दिए साथ ही थाने में नई बैरक के निर्माण हेतु प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बाहर के लाइसेंस धारियों का जिला कार्यालय में पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने त्योहारों के चलते शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी राकेश कुमार, जुडिशल शाखा इंचार्ज विशाल गुप्ता सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

# एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का सफलतापूर्वक हुआ आयोजन

**ब्यरो -एनपीटी**

**बून्दी**, 18 मार्च। जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा के निर्देशन में रोजगार कार्यालय बूंदी एवं राजकीय महाविद्यालय बूंदी के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर मंगलवार को होटल शगुन, नैनवां रोड़, बूंदी में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इसके आयोजन में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बूंदी का सराहनीय योगदान रहा । रोजगार शिविर का शुभारंभ नगर परिषद की सभापति श्रीमती सरोज अग्रवाल ने मां सरस्वती को दीप प्रज्वलित कर किया।

जिला रोजगार अधिकारी भेरू प्रकाश नागर ने बताया कि शिविर में गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड बूंदी, वरुण बेवरेज कापरेन, नवभारत फर्टिलाइजर लिमिटेड जयपुर, अडानी विलमार प्राइवेट लिमिटेड बूंदी, एनआईआईटी जयपुर सहित कुल 27 संस्थानों ने भाग लिया। संस्थाओं द्वारा नियोजन हेतु 246 स्व-नियोजन हेतु 109 आशार्थियों का प्राथमिक चयन किया गया। इसके अतिरिक्त राजस्थान कौशल आजीविका विकास निगम, बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान बूंदी, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बूंदी द्वारा कुल 174 आशार्थियों का चयन प्रशिक्षण हेतु किया गया। साथ ही समाज कल्याण विभाग, छात्र परामर्श एवं प्लेसमेंट सेल राजकीय महाविद्यालय बूंदी एवं लीड बैंक मैनेजर बूंदी द्वारा शिविर में उपस्थित आशार्थियों को स्वरोजगार से संबंधित परामर्श व जानकारी दी गई। शिविर में लगभग 700 आशार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बूंदी डॉ ओपी शर्मा, रोजगार अधिकारी भेरू प्रकाश नागर, एलडीएम राजीव गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी महावीर शर्मा, प्राचार्य आईटीआई फूलचंद मीणा, व्याख्याता संजय मीना, हार्टफुलनेस से चांदनी वरयानी मंचासीन रहे। शिविर में प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ दिलीप कुमार राठौड़, दीपक बाथरा, विष्णु प्रसाद शर्मा एवं लोकेश सैनी मौजूद रहे। व्याख्याता भूपेंद्र शर्मा द्वारा मंच संचालन किया गया तथा रोजगार अधिकारी द्वारा अन्त में धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

# आवारा घूमता गौवंश लोग परेशान

खैरथल शहर के मातौर रोड़ पर स्थित वार्ड 16 ,18, 19 के वाशिंदे इन दिनों लोगों के द्वारा छोड़े गए गोवंशो से परेशान हैं, क्योंकि ये जानवर झुंड में विचरण करते हैं जिनसे छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं में भय व्याप्त है और मेन रोड पर वाहन चालकों और पदैल राहगीरों को भी कई बार घायल कर चुके हैं लेकिन प्रशासन के अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सोए हुए है उनको आम आदमी की तकलीफों की कोई परवाह नहीं है।लोगों ने बताया कई गोवंशो के कान पर पीला बेज भी लगा है जिससे पहचान की जा सकती है कि ये किसके है और उनको पाबंद किया जा सकता है सड़को पर आवारा घूमने से ये गोवंश दुर्घटनाओं के कारण बनते है स्थानीय प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए, जब शहर और आसपास में बड़ी गौशालाएं है तो इस तरह गौवंश का सड़को और कुड़ेदानो पर घूमना कई सवाल पैदा करता है

## मेवल की महारानी उदयपुर की ईडाणा माता ने किया अग्नि स्नान, जलकर भस्म हो गया श्रृंगार

उदयपुर। यह मंदिर राजस्थान के उदयपुर से 60 किमी दूर स्थित है और इसे मेवल की महारानी के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि जब माता पर अधिक भार पड़ता है, तो वे अग्नि स्नान करती हैं।

उदयपुर के ईडाणा माता मंदिर में मंगलवार सुबह एक बार फिर चमत्कार देखने को मिला। मंदिर परिसर में अचानक अग्नि प्रज्वलित हुई और देखते ही देखते माता का श्रृंगार और चुनरी जलकर भस्म हो गई। इस अद्भुत दृश्य को देखकर वहां मौजूद भक्त अभिभूत हो गए और जय ईडाणा माता के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। हर बार की तरह इस बार भी माता की मूर्ति को कोई क्षति नहीं पहुंची, जबकि पूरा श्रृंगार अग्नि में विलीन हो गया।

**क्यों खास है यह मंदिर**

राजस्थान के उदयपुर से करीब 60 किमी दूर स्थित ईडाणा माता मंदिर को मेवल की महारानी के रूप में पूजा जाता है। यह मंदिर खुली जगह पर स्थित है, क्योंकि अग्नि स्नान की वजह से यहां कभी छत नहीं बनाई गई। मान्यता है कि जब माता पर अधिक भार पड़ता है, तो वे स्वयं ज्वालादेवी का रूप धारण कर अग्नि में प्रकट होती हैं। इस दौरान उठने वाली लपटें कभी-कभी 10 से 20 फीट तक पहुंच जाती हैं, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से मूर्ति को कोई नुकसान नहीं होता।

विज्ञापन

# हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा तीन दिवसीय चेटीचंड महोत्सव

## चेटीचंड मेले की तैयारीयो को लेकर बैठक सम्पन्न

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

खैरथलः शहर में 30 मार्च को आयोजित चेटीचंड महोत्सव की तैयारियों को लेकर आनन्द नगर कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में झूलेलाल मंदिर के बाबा शीतलदास लालवानी के सानिध्य में एवं पूज्य सिंधी पंचायत खैरथल अध्यक्ष मुखी मनोहरलाल रोघा की अध्यक्षता में सोमवार शाम को बैठक आयोजित कर विभिन्न निर्णय लिए गए। झूलेलाल मंदिर व्यवस्थापक अर्जुनदास बाबानी एवं महेश आडतानी ने बताया कि सिंधी समाज के ईष्टदेव भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव पर्व चेटीचंद महोत्सव की तैयारियों को लेकर मंचासिन समाजसेवी लालचंद रोघा,मुखी मनोहरलाल रोघा,पूज्य सिंधी पंचायत अलवर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा, मुखी अशोक महलवानी, मुखी वासदेव दासवानी, मुखी टीकमदास मुरजानी, बाबा दयालदास प्रदनानी, व्यवस्थापक अर्जुनदास बाबानी, महेश आडतानी ने बैठक में मौजूद सिंधी समाज के सदस्यों से विचार विमर्श कर चेटीचंड महोत्सव 28,29 एवं 30 मार्च को तीन दिवसीय मनाने का निर्णय लेकर समारोह की तैयारी पर विशेष चर्चा कर व्यवस्थाओं की जिम्मेदारिया सौंपी गई।

पूज्य सिंधी पंचायत अलवर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा ने बताया कि 28 मार्च को साय 4 बजे मातृशक्ति बाईक रैली, साय 7 बजे झूलेलाल भगवान की अखंड ज्योत नगर भ्रमण,29 मार्च दोपहर को सिंधी व्यंजन प्रतियोगिता,साय 6 बजे महाआरती,रात्रि 8 बजे सिंधी प्रतिभा सम्मान समारोह,30 मार्च को सुबह 10:15 बजे झंडारोहण,11 बजे कन्या भोज, दोपहर 12 बजे विशाल आम भंडारा, साय 4 बजे शोभायात्रा आयोजित की जाएगी तथा 31 मार्च को प्रातः 7 बजे झूलेलाल भगवान की आरती के पश्चात पल्लव पाकर चेटीचंड महोत्सव का समापन किया जाएगा। इस दौरान मुख्य रूप से झूलेलाल मंदिर सहित खैरथल के मुख्य मार्गो, विभिन्न चौराहो पर सजावट एवं लाइटिंग की जाएगी।मंच संचालन महेश आडतानी ने किया।

इस दौरान प्रदेश मंत्री गिरधारीलाल ज्ञानानी,सेवक लालवानी, नत्थूमल रामलानी, तुलसीदास भूरानी, प्रताप कटहरा ,विजय बच्चानी, गोपालदास पेशवानी, राजकुमार दादवानी, अर्जुनदास असरानी, दिनेश माखीजा, प्रमोद केवलानी, प्रहलाद मंगलानी, हीरालाल भूरानी, मन्नू मंघवानी, लीलाराम भगतानी, तीर्थदास रोचवानी,हरीश जयवानी, प्रेम प्रदनानी,आकाश चेतवानी, मोहनसिंह खजनानी, श्याम लाल चंगानी, राजकुमार लालवानी, टीकम चंदनानी, सेवाराम बच्चानी, बाबूलाल गोरवानी, किशनचंद भारती, लालचंद चंगानी, राजा मंगलानी, सोनू सजवानी, मंगलानी, नारायण निहलानी, राहुल केवलानी, बूलचंद मनवानी, विक्की कटारिया, लालचंद माखीजा, भगवानदास मयूर, नामदेव रामानी, चतर ज्ञानवानी, हुकूमतराय किशनानी, नानकचंद मंघवानी, वासदेव दरियानी विष्णुमल गंनवानी मौजूद रहे।

# जज्बे को सलामः जिस उम्र में खड़े नहीं हो पाते लोग, बीकानेर की ये दादी लगाती हैं दौड़, नेशनल में जीते तीन गोल्ड

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

बीकानेर। बीकानेर की 93 वर्षीय पानी देवी गोदारा ने 45वीं नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शॉट पुट, 100 मीटर दौड़ और डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। उम्र को सिर्फ एक संख्या मानने वाली पानी देवी घर के कामों के साथ गाय-भैंसों की सेवा भी करती हैं और खुद को फिट रखती हैं।

उम्र सिर्फ एक संख्या है, इसे साबित कर दिखाया है 93 वर्षीय पानी देवी गोदारा ने। घर के काम से लेकर गायों और भैंसों की सेवा करने वाली यह दादी सिर्फ साधारण महिला नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक एथलीट भी हैं। हाल ही में बैंगलोर में आयोजित 45वीं नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पानी देवी ने शॉट पुट में गोल्ड मेडल जीता है। वहीं 100 मीटर दौड़ में भी गोल्ड मेडल तथा डिस्कस थ्रो में भी गोल्ड मेडल जीतकर देशभर में अपनी पहचान

बनाई।

बीकानेर की चौधरी कॉलोनी में रहने वाली पानी देवी ने यह साबित कर दिया कि जज्बा हो तो उम्र कोई बाधा नहीं। अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। अब उनका अगला लक्ष्य अगस्त में स्वीडन में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश के लिए पदक जीतना है। पानी देवी न सिर्फ एथलेटिक्स में माहिर हैं, बल्कि घर के सारे काम भी खुद ही करती हैं। सुबह-शाम अपनी गायों और भैंसों की सेवा करने के साथ वे अपनी फिटनेस पर भी पूरा ध्यान देती हैं। उनकी दिनचर्या और मेहनत ही उनकी सफलता का राज है।

**इंडोनेशिया में दिखेगा बीकानेर की दादी का दम-**

अब पानी देवी का इंडोनेशिया में सितंबर में आयोजित होने वाली एशियन मास्टर एथलीट में सिलेक्शन हो गया है और वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी यह उपलब्धि बीकानेर ही नहीं, पूरे देश के लिए गर्व की बात है। 93 साल की ये दादी मां पानी देवी बीकानेर की चौधरी कॉलोनी में रहती हैं। अपने जीवन के 93 बसंत देख चुकीं दादी अपना और घर का सारा काम भी खुद ही कर लेती हैं। दादी की इतनी फुर्ती देखकर आजकल की महिलाएं भी हैरान हैं। पानी देवी के जज्बे ने साबित कर दिया है कि सपने सच करने की कोई उम्र नहीं होती हौंसले बुलंद हों तो उम्र मायने नहीं रखती।

## आनंदपुरी में पुलिस ने बरामद किए एक लाख 39 हजार 300 रुपये के जाली नोट, एक आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा-लिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। महेश मेलों और सामाजिक आयोजनों में नकली नोट चलाता था। तलाशी में 500 रुपये के 252, 200 रुपये के 11 और 100 रुपये के 111 नकली नोट बरामद हुए हैं। आनंदपुरी थाना पुलिस ने मंगलवार को धूलियागढ़ गांव में एक मकान पर दबिश देकर एक व्यक्ति के कब्जे से एक लाख 39 हजार 300 रुपये के जाली नोट बरामद किए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों का खुलासा एवं अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत बागीदौरा पुलिस उप अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस थाना आनन्दपुरी की गठित टीम ने मंगलवार को जाली नोट के कारोबार का खुलासा किया।

**संदेश** — **अनूठी शादी कर दिया सामाजिक परिवर्तन का संदेश**

# दो राजकीय विद्यालयों सहित सामाजिक संस्थाओं को भेंट किए 2 लाख 55 हजार रुपए

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

झुंझुनूं सूरजगढ़। पिलोद गांव में प्रधानाध्यापक विजय निर्मल ने अपनी डॉक्टर बिटिया की शादी में रूढ़िवादी परम्पराओं को त्यागते हुए अंबेडकरवादी रीति रिवाज से की है । दुल्हा और दुल्हन दोनों डॉक्टर हैं। दुल्हे की माता भी प्रधानाचार्या पद पर कार्यरत है। अशोक गोठवाल ने बताया कि शादी में किसी भी प्रकार का दहेज नहीं लिया गया है। निर्मल परिवार ने शादी में होने वाले अनावश्यक खर्च को बचाते हुए शिक्षा में सहयोग के लिए मास ग्रुप को 51हजार रुपए, मास ग्रुप द्वारा अंबेडकर भवन झुंझुनू में संचालित लाइब्रेरी में 51 हजार रुपये आवश्यक सामग्री खरीदने हेतु, बौद्ध विहार जय पहाड़ी झुंझुनू में

51हजार रुपये, गांव पीलोद सूरजगढ़ में संचालित दो सरकारी विद्यालयों के लिए 51-51 हजार रुपये के चेक दुल्हा और दुल्हन नवविवाहित जोड़े के हाथों से भेंट करवाये। इस तरह इस दानवीर परिवार ने दो सरकारी विद्यालयों सहित सामाजिक संस्थाओं को 255000 भेंट किए। इनके इस अनूठी पहल की शादी में शरीक हुए सभी सदस्यों ने भी काफी तारीफ की और समाज के लिए एक अच्छा संदेश बताया।

आजकल दहेज के लालच में बहुत रिश्ते टूट जाते है। इन्होंने बिना दहेज शादी कर बहुत ही सराहनीय काम किया है और हम सब के लिए भी यह प्रेरणा है। ऐसे कार्य जागरुकता की निशानी है। शादी में मास ग्रुप के सदस्य भी शामिल हुए जिन्होंने नवविवाहित डॉक्टर जोड़े को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और संविधान की प्रस्तावना की प्रति भेंट की। विजय सिंह व उनके छोटे भाई सुभाष चन्द्र दोनों ही शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। दोनों भाइयों के लड़के एमबीबीएस कर रहे हैं। दोनों ने नव विवाहित जोड़े के बिना दहेज शादी करने के निर्णय का स्वागत करते हुए विचार विमर्श किया और निर्णय लिया कि क्यों ना दहेज पर खर्च होने वाली राशि को सर्व समाज के बच्चों के भविष्य के लिए खर्च की जाए ताकि वे भी सुशिक्षित होकर अपनी शादी में इस प्रकार का निर्णय लेकर समाज को प्रेरित कर सकें। विजय सिंह का पूरा परिवार शिक्षा अपने कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति जागरूक है।

# गैर इरादतन हत्या का आरोपी चिकित्सक अबरार गिरफ्तार

## महिला सोनिया की आपरेशन में बरती थी लापरवाही, परिजनों को किया था अपमानित

एनपीटी संवाददाता

**थानाभवन।** थानाभवन पुलिस ने गैर इरादतन हत्या व जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के मामले में वांछित चिकित्सक को गिरफ्तार कर लिया है। मुजफ्फरनगर के बुढाना क्षेत्र के गांव जौला निवासी देशराज की पत्नी सोनिया जौला में आशा का काम करती थी। सोनिया की जान पहचान थानाभवन के गगन हास्पिटल के संचालक डा. अबरार व उसकी पत्नी से थी। सोनिया के पित्त में पथरी भी जिस कारण उसने आपरेशन के लिए डा. अबरार से संपर्क किया था। अबरार ने उसे हास्पिटल में आपरेशन के लिए बुलाया था जहां डा. अबरार व उसकी पत्नी द्वारा आपरेशन में बरती गयी लापरवाही के चलते सोनिया की मौत हो गयी थी। महिला के

परिजनों द्वारा विरोध करने पर चिकित्सक ने उन्हें जातिसूचक शब्दों से भी अपमानित किया था। पीडित परिजनों द्वारा आरोपी चिकित्सक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मंगलवार को थानाभवन पुलिस ने मामले में वांछित आरोपी चिकित्सक मौहम्मद अबरार पुत्र इशितयाक निवासी रसूलपुर दभेडी थाना बुढाना जनपद मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार कर लिया है।

### बेटी से दुष्कर्म का आरोपी पिता जेल भेजा

शामली। थानाक्षेत्र के एक गांव में नशे में बेटी के साथ दुष्कर्म के आरोपी पिता को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया। पुलिस की जांच में सामने आया कि पूर्व में भी नशे में आरोपी ने बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी। हालांकि, उस समय बेटी ने पुलिस से शिकायत नहीं की थी क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली किशोरी ने पुलिस को शिकायत की थी। जिसमें उसने होली वाले दिन पिता पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया है कि आरोपी ने पूर्व में भी बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी।

### पति पर मारपीट कर घर से निकलने का लगाया आरोप

कांधला। कस्बे के मोहल्ला इदरीश बैग बिहार कालोनी निवासी महिला ने अपने पति पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने अपना डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कस्बे के मोहल्ला इदरीस बैग विहार कॉलोनी निवासी महाराज पत्नी मुस्तकीम ने मंगलवार को थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि पीड़िता का पति पीड़िता पर उल्टे सीधे इल्जाम लगाता है और घर में खाने पीने का सामान भी लाकर नहीं देता है। पीड़िता का आरोप है कि पीड़िता के तीन बच्चे बड़े हो गए हैं। आरोप है कि पीड़िता का पति मकान बेचने की धमकी देता है। मंगलवार को भी पीड़िता के पति ने पीड़िता को लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया और घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता ने अपना डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# गोवंश के केस को खोलने वाली पुलिस टीम को ग्रामीणो ने किया सम्मानित

एनपीटी संवाददाता

**चौसाना,** लव्वादाउदपुर के जंगल में गोवंशों के अवशेषों की घटना के खुलासा करने वाली पुलिस का ग्रामीणों ने मिलकर सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने फूलमालाओं एवं पटका व चादर उढाकर सम्मानित किया गया। चौसाना चौकी क्षेत्र के गांव लव्वादाउदपुर में एक गन्ने के खेत से गौवंशो के अवशेष मिलने से फैली सनसनी के बाद पुलिस ने मामले मे मुकदमा दर्ज कर लिया था और केस के तीव्रता को देखते हुये पुलिस ने 24 घंटे के भीतर केस को वर्कआउट कर दिया। जिसमे तीन आरोपियों को मुठभेड के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के बाद लोगो मे प्रसंशा है। जिसके

बाद लव्वादाउदपुर के ग्रामीणों ने मिलकर समारोह का आयोजन किया और माता दुर्गा रानी की तस्वीर और फूलमाला व पटका पहनाकर सम्मानित किया। चौकी प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह,हैड कांन्सटेबल आशीष चौधरी,मुकेश कुमार आदि को भी सम्मानित किया गया हेड कांस्टेबल आशिष चौधरी का इस प्रकरण में अहम भूमिका निभाई।इस दौरान शुभम चौहान समाज सेवी, रामभूल प्रधान, सोनू राणा, शक्ति, गोपाल, विजय , शेखर राणा, राजू शर्मा ,हरपाल रोहिल्ला, अनिल राणा, दिलावर, साहब सिंह, यशपाल सैनी आदि मोजूद रहें।

# दो तस्कर गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद की 300 ग्राम चरस

एनपीटी संवाददाता

**कैराना।** पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 300 ग्राम मादक पदार्थ चरस व छोटा इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद हुआ है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज करके पकड़े गए दोनों आरोपियों का चालान कर दिया है। एसपी शामली राम सेवक गौतम के निदेर्शानुसार मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में

अपना नाम व पता शादाब पुत्र जाहिद हसन निवासी मोहल्ला छड़ियान कस्बा कैराना तथा शादाब पुत्र तौसीफ उर्फ तसव्वर निवासी ग्राम जंधेड़ी बताए। दोनों आरोपियों के कब्जे से 150-150 ग्राम अवैध चरस व छोटा इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करके उनका चालान कर दिया है।

# कांधला में स्वत:कर प्रणाली लागू न करने की मांग

## कांधला चेयरमैन नजमुल इस्लाम व सभासदों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम से लगाई गुहार

एनपीटी संवाददाता

कांधला। शासन द्वारा नगर निकाय में लागू की गई स्वत कर प्रणाली के विरोध में पालिका अध्यक्ष और सभासदों ने जिला अधिकारी को पत्र भेजकर नगर निकाय में स्वत कर प्रणाली को लागू न कराए जाने की मांग की है। शासन के द्वारा प्रदेश की सभी नगर निकायों में स्वत कर प्रणाली लागू कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश की ज्यादातर नगर निकायों में सभासदों सहित नगर निकायों में निवास करने वाले लोगों के द्वारा स्वत कर प्रणाली का लगातार विरोध किया जा रहा है। लोगों का मानना है कि स्वत कर प्रणाली लागू होने से गरीब लोगों पर आर्थिक संकट आ जाएगा। मंगलवार को पालिका

अध्यक्ष नजमुल इस्लाम व सभासद जुनैद मुखिया, वसीला, सायरा, रिहाना, सादिक, वकील अहमद, मनीष कुमार, गुलिस्ता व गौरव सैनी ने जिला अधिकारी अरविंद कुमार चौहान को पत्र भेज कर बताया कि कस्बा कांधला की ज्यादातर जनसंख्या अल्प भोगी है। नगर निकाय में स्वत कर प्रणाली लागू होने से कस्बे वासियों पर अधिक आर्थिक बोझ बढ़ाने की प्रबल संभावना है। कस्बे के ज्यादातर लोगों के पास रोजगार के पर्याप्त साधन भी उपलब्ध नहीं है। जिसके चलते कस्बे के लोग स्वत कर प्रणाली लागू होने में सक्षम नहीं है। पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम सहित सभासदों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि नगर निकाय में स्वत कर प्रणाली को लागू ने किया जाए। पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम सहित सभासदों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर नियम अनुसार कार्रवाई की मांग की है।

## संक्षेप समाचार :

### 23 मार्च को उधमसिंह स्टेडियम में होगा चैम्पियनशिप का ट्रायल

शामली। पैरा स्पोर्टस एसोसियेशन द्वारा 23 मार्च को शहर के उधमसिंह स्टेडियम में तृतीय जूनियर एवं सब जूनियर यूपी स्टेट पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। एसोसियेशन के सहारनपुर मंडल कोआर्डिनेटर जबरसिंह खैवाल ने बताया कि जनपद शामली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर या इससे अतिरिक्त अन्य जिलों के एथलीट के खिलाडियों का 23 मार्च को उधमसिंह स्टेडियम शामली में ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। ट्रायल में चयनित खिलाडी सीधे राज्य स्तर के लिए होली चाइल्ड स्पोर्टस एकेडमी शामली में 6 व 7 अप्रैल को प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि सब जूनियर अंडर-17 बालक व बालिका वर्ग व जूनियर अंडर-19 के बालक-बालिकाओं के लिए 100, 200, 400, 800, 1500 व 5000 मीटर की दौड, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का फेंक, क्लब थ्रो आदि प्रतियोगिताएं होंगी। उन्होंने बताया कि ट्रायल में व्हील चेयर के खिलाडी भी प्रतिभाग कर सकेंगे।

### गैस पाइप लाइन के लिए खोदे गए गड्ढों को भरवाने की मांग

शामली। नगर पालिका के वार्ड सभासद अनिल कुमार ने मौहल्ला दयानंदनगर में गैस पाइप लाइन के लिए खोदे गए गड्ढों को न भरने के चलते लोगों को हो रही परेशानियों को लेकर अधिशासी अधिकारी से समाधान करने की मांग की है। वार्ड सभासद ने ईओ को सौंपे प्रार्थना पत्र में कहा है कि मौहल्ला दयानंदनगर में आईजीएल गैस पाइप लाइन बिछाने के लिए गड्ढे खोदे गए हैं जिसके कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है जबकि गड्ढों को साथ-साथ भरवाने की भरपाई भी नगर पालिका में जमा करायी गयी है लेकिन इसके बावजूद भी गड्ढों को नहीं भरा जा रहा है। उन्होंने अधिशासी अधिकारी से गड्ढों को जल्द से जल्द भरवाए जाने की मांग की है।

### आईटी व चित्रकला का पेपर देखकर खिले छात्रों के चेहरे

शामली। सीबीएसई में मंगलवार को हाईस्कूल में इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, एआई और कंप्यूटर विषय की परीक्षा हुई। वहीं इंटरमीडिएट की चित्रकला विषय की परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा शांतिपूर्वक कराई गई। सभी केंद्रों पर 50 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी। बातचीत के दौरान छात्र-छात्राओं ने पेपर आसान बताया। जिला सीबीएसई कोआर्डिनेटर आशु त्यागी ने बताया कि मंगलवार को नो केंद्रों पर हाईस्कूल के तीन विषयों की परीक्षा हुई। परीक्षा में सभी विषयों में 2881 परीक्षार्थी पंजीकृत रहे। इनमें से 2854 ने परीक्षा दी व 27 ने परीक्षा छोड़ी। हाईस्कूल की यह अंतिम परीक्षा रही। वहीं इंटर में चित्रकला विषय की परीक्षा हुई। सभी केंद्रों पर 1745 पंजीकृत रहे। इनमें से 1722 ने परीक्षा दी व 23 ने परीक्षा छोड़ दी। उन्होंने बताया कि सभी केंद्रों पर कंट्रोल रूम से विशेष निगरानी रखी है। किसी भी केंद्र पर कोई नकलची नहीं मिला। सभी जगह शांतिपूर्वक परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा छूटने के बाद हाईस्कूल के छात्र अनुज व रश्मि ने बताया कि कंप्यूटर का पेपर काफी सरल रहा, अच्छे नंबर आने की उम्मीद है। इंटर के छात्र विनय, अनुज ने बताया कि चित्रकला के पेपर में सभी प्रश्न सरल रहे, 90 से ऊपर नंबर आएंगे।

### काटी गई अवैध कालोनियों पर चला एमडीएम का महाबली

शामली। सोमवार को एमडीए उपाध्यक्ष कविता मीना के निर्देशन में अवैध कालोनियों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। सहायक अभियंता भरत पाल ने बताया कि इसमें भू स्वामी प्रशांत व शमी अहमद के खसरा संख्या- 691, 2613 में लगभग 10 बीघा, अमित अग्रवाल, अनुज प्रधान, सन्नी जैन की पानीपत बाईपास व ड्रीम सिटी फेज-एज के सामने शामली में लगभग 33 बीघा, बिजेंद्र सिंह मलिक, विनोद, अजय, श्रीपाल राणा के द्वारा राधा गोविंद कालोनी के पीछे, एमएस के रोड शामली में लगभग 40 बीघा एवं इकबाल सिद्दिकी की करनाल बाईपास पर 20 बीघा भूमि में अनाधिकृत रूप से (प्राधिकरण से तलपट मानचित्र स्वीकृत कराए बिना) अवैध प्लाटिंग के निर्माण को ध्वस्त कराया गया। इसमें कुल 103 बीघा भूमि पर बने निर्माण को ध्वस्त कराया गया। अवैध ध्वस्तिकरण अभियान के तहत अवैध कालोनी काट रहे संचालकों में खलबली मची रही। सहायक अभियंता भरत पाल सिंह ने बताया कि अवैध कालोनी में कोई भी व्यक्ति प्लाट न खरीदें, क्योंकि इससे उनकी धनराशि का ही नुकसान होगा। इसलिए स्वीकृत कालोनियों में ही पड़ताल कर प्लाट खरीदें। इस दौरान अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता समेत पुलिस बल भी मौजूद रहा।

### देरी से पहुंची उदयपुर एक्सप्रेस, यात्री परेशान

शामली। उदयपुर सिटी स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन एक घंटा 15 मिनट देरी से शामली रेलवे स्टेशन पर पहुंची। जिससे सवारियां परेशान रही। दूसरी ओर उत्तर रेलवे नई दिल्ली ने कई माह से बंद चल रही दो पैसेंजर ट्रेनों को मंगलवार से चालू कर दिया। उदयपुर सिटी स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन का रविवार, मंगलवार, शुक्रवार को सुबह 4.53 बजे शामली रेलवे स्टेशन पर आने का समय है।

# पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट

**एनपीटी संवाददाता कांधला।** कस्बे के नई बस्ती निवासी एक युवक ने अपने ससुराल पक्ष के कई लोगों पर पीड़ित के भाइयों के साथ मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। वहीं दूसरी ओर दूसरे पक्ष में भी मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कस्बे के नई बस्ती बिजली घर रोड निवासी इमरान पुत्र छोटा ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि पीड़ित ने पड़ोस के ही रूकमदीन की पुत्री नरगिस से कोर्ट मैरिज कर रखा है। पीड़ित का आरोप है कि इसी बात को लेकर रूकमदीन का परिवार पीड़ित से रंजिश रखता है। आरोप है कि रुकमदीन ने अपने परिवार के कई लोगों के साथ मिलकर पीड़ित के भाई इनाम व नौशाद पर लाठी डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित ने अपने दोनों भाइयों का डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूसरी और रुकमदीन ने भी थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि इमरान पीड़ित की पुत्री को बहला फुसला कर भाग ले गया था। आरोप है कि कुछ दिन से इमरान पीड़ित के पड़ोस में ही आकर रह रहा है, और आते-जाते छींटाकशी करता है। मंगलवार को पीड़ित का पुत्र साहिल गली से आ रहा था। आरोप है कि इसी बीच इमरान ने अपने भाई इनाम के साथ मिलकर पीड़ित के पुत्र पर लाठी डंडों से हमला कर दिया।अचानक हुए हमले में पीड़ित का पुत्र घायल हो गया। पीड़ित ने अपने पुत्र का डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार सिंह का कहना है कि दोनों पक्षों की तहरीर मिली है।

# उद्योग बंधुओं की समस्याओं का प्राथमिकता से हो निस्तारण : विनय कुमार तिवारी

## विकास भवन में सीडीओ की अध्यक्षता में उद्योग बंधु की बैठक का आयोजन

एनपीटी संवाददाता

**शामली।** विकास भवन सभागार शामली में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ऐजेण्डा बिंदु के अनुसार चर्चा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने उद्योग बंधु द्वारा बताई गई समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

बैठक में सीडीओ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 एकल खिड़की योजना/निवेश मित्र योजना की भी समीक्षा कर सरकारी अनुदान परक विभागीय योजनाओं यथा एक जनपद एक उत्पाद, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना,मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रगति जानते हुए सहायक आयुक्त उद्योग द्वारा अवगत कराया गया कि

योजना में 1000 लक्ष्य के सापेक्ष 779 आवेदन पत्र बैंकों को ऋण हेतु बैंकों को भेजे गए हैं परंतु बैंकों द्वारा सहयोग नहीं दिया जा रहा है जिस कारण प्रगति खराब है। जिसको लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए विभागीय अधिकारियों को बैंकों से समन्वय स्थापित करते हुए योजना में प्रगति के निर्देश दिए। बैठक में नेप्स योजना में इकाइयों को लाभ दिलवाने के लिए आई० टी० आई० के प्रधानाचार्य को निर्देश दिए गए। बैठक में साईंमां व लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष अंकित गोयल ने इंडस्ट्रियल एरिया से पूर्वी यमुनानगर तक 03 किलोमीटर नाले की पाइप लाईन बार- बार चौक हो जाती है, जिससे उद्योगों में पानी भर जाता है,नए ओपन नाले का सिल्ट सहित एस्टीमेट बनाकर तैयार करने के लिए कहा गया। जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने पूर्व में गठित कमेटी को पुनः एक बार उद्योग बन्धु को साथ लेते हुए उक्त नाले का मोका मुआयना करने हेतु निर्देशित किया बैठक में साहयक आयुक्त उद्योग इशिता मित्तल उद्योग बन्धु के रूप में आशीष जैन,अंकित गोयल आदि उधोग बन्धु मौजूद रहें।

### कन्फेक्शनरी की दुकान में दीवार तोड़कर चोरों

एनपीटी संवाददाता

**कांधला।** कस्बे के जाट कॉलोनी में स्थित कन्फेक्शनरी की दुकान में चोरों ने आला नकब लगाकर हजारों रुपए का सामान चोरी कर लिया। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। कस्बे के जाट कॉलोनी निवासी अमित कुमार पुत्र सेवाराम ने मंगलवार को थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि पीड़ित ने दोनों नहरों के बीच स्थित जाट कॉलोनी में कन्फेक्शनरी की दुकान कर रखी है। पीड़ित सोमवार की शाम को अपनी दुकान बंद कर घर चला गया था। आरोप है कि रात्रि में अज्ञात चोरों ने दुकान में आला नकब लगाकर दुकान में रखा गैस सिलेंडर, इनवर्टर बैट्री सहित दुकान से हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए।पीड़ित को घटना की जानकारी मंगलवार की सुबह दुकान पर पहुंचने के बाद हुई। पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। पीड़ित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार सिंह का कहना है कि पीड़ित की तहरीर मिली है। चोरों को जेल भेज दिया जाएगा।

# बजट में 75 लाख पेंशनरों को नहीं मिली कोई राहत

## भारतीय मजदूर संघ ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत मजदूरों की उपेक्षा का लगाया आरोप

एनपीटी संवाददाता

**शामली।** भारतीय मजदूर संघ ने केन्द्र सरकार के बजट में 75 लाख से अधिक पेंशनर्स को कोई राहत न देने व विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत मजदूरों की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री व वित्तमंत्री से पेंशनरों व मजदूरों को राहत देने की मांग की है। मंगलवार को भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री रमेशचंद शर्मा ने प्रधानमंत्री व वित्तमंत्री को संबोधित ज्ञापन अधिकारियों को देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत बजट में जहां आयकर सीमा बढाकर कर्मचारी जगत को राहत दी गयी है वहीं डेयरी, मत्स्य उद्योग, गिग वर्कर, लघु उद्योगों को भी राहत प्रदान की है, कैंसर जैसी बीमारी की दवाआं पर आयात शुल्क में छूट प्रदान की है लेकिन बजट में ईपीएस 95 के 75 लाख से अधिक पेंशनरों को कोई राहत प्रदान नहीं की गयी है, महंगाई के इस युग में 1000 रुपये से जीवन निर्वाह करना

नामुमकिन है, स्कीम वर्कर जिनमें आंगनवाडी, आशा, मिड डे मील के साथ-साथ बीडी, प्लांटेशन, चाय बागान, कृषि एवं खनन मजदूरों की भी उपेक्षा की गयी है। जीवन बीमा निगम में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति देकर सार्वजनिक संपत्ति की बिक्री का मार्ग खोलकर जले पर नमक छिडकने का काम किया है। उन्होंने ईपीएस-95 की न्यूनतम पेंशन 5 हजार रुपये करने, अंतिम तौर पर वेतन का 50 प्रतिशत व महंगाई राहत पेंशन का भुगतान करने, ईपीएफ की वेतन सीमा 15 हजार से बढाकर 30 हजार करने, सार्वजनिक संपत्ति की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने, स्कीम वर्कर को सरकारी कर्मचारियों के समान वेतन व सामाजिक सुरक्षा देने, असंगठित क्षेत्र हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि बजट में उपरोक्त के संबंध में संशोधन न किया गया तो जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

# कुड़ाना में पाइप न डालने पर पानी की आपूर्ति बाधित मिली

एनपीटी संवाददाता

**शामली।** डीएम के निर्देश पर कुड़ाना-लांक गांव में डीएम द्वारा गठित टीम ने पहुंच कर पानी के पेयजल टंकी पाइप लाइन डालने के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गांव में पाइप लाइन में लीकेज मिला। कुड़ाना गांव में 60 प्रतिशत पाइप न डालने के कारण पानी की आपूर्ति बाधित मिली ।

किसान दिवस में किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष ऋषिपाल मलिक ने कुड़ाना में टंकी से पानी उपलब्ध कराने की मांग की थी। डीएम के निर्देश पर कृषि, लघु सिंचाई विभाग की गठित टीम मंगलवार को दोपहर एक बजे कुडाना गांव में पहुंची। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गांव के पांचों स्कूलों गांव के सचिवालय और पशु चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थय केंद्र और यूनियन बैंक में पानी की आपूर्ति नहीं मिली। पेयजल योजना में बीस से पच्चीस स्थानों पर लीकेज पाया गया। वर्तमान तक पाइप लाइन पूरी नहीं डाली गयी। मानचित्र के अनुसार पाइप लाइन के बिना क्षेत्र कुछ क्षेत्र वंचित है। पानी की पाइप लाइन में लीकेज होने के कारण बहुत से एरिया में 60 प्रतिशत पानी की आपूर्ति बाधित है। 100 मीटर की दूरी पर किसान नेता सवित मलिक के यहां पानी की आपूर्ति नहीं पाई गई। टंकी के आपरेटर यासीन ने बताया कि होली चौक के पास पाइप लाइन फटी हुई है।

**आवश्यकता है**

**दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स** में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना चौसाना बिडौली गढ़ी पुख्ता एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें

**आदिल राणा**
जिला प्रभारी शामली
9082190000,9997173786

# नगर पंचायत ने दिल्ली-सहारनपुर रोड पर चलाया सफाई अभियान

एनपीटी संवाददाता

**शामली।** नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा नदी एवं अन्य नदियों के संरक्षण अभियान के अंतर्गत मंगलवार को नगर पंचायत द्वारा दिल्ली-सहारनपुर रोड पर नाला व नालियों का सफाई अभियान चलाया गया। अधिशासी अधिकारी ने लोगों से साफ सफाई का ध्यान रखने की भी अपील की है। मंगलवार को नगर पंचायत द्वारा नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा नदी व अन्य नदियों के संरक्षण अभियान के तहत कस्बा के वार्ड 16 अग्रवाल कालोनी में ताज मौहम्मद के आवास पर सडक, नाली, नालों व कस्बे से होकर निकलने वाली कृष्णा नदी की साफ सफाई के संबंध में चर्चा की गयी। इसके बाद नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों

द्वारा दिल्ली-सहारनपुर रोडव मुल्लापुर रोड के नाले नालियों पर सफाई अभियान चलाया गया। नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी जितेन्द्र राणा ने बताया कि कस्बा स्थित पंजाब नेशनल बैंक से पुराना ओरियंटल बैंक तक व मुल्लापुर रोड पर सफाई अभियान चलाया गया, साथ ही लोगों से भी साफ सफाई रखने की अपील की गयी।

# एसीबी ने आपूर्ति पदाधिकारी को घुस लेते रंगे हाथ किया गिरफ्तार

**एनपीटी ब्यूरो**

रांची, झारखण्ड में एसीबी ने बड़ी कारवाई की है। दरअसल एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक एसीबी की ये कारवाई रांची में हुई है। आरोप है कि सप्लाई ऑफिसर अभिजीत चेल पीडीएस का लाइसेंस रिनुअल करने के लिए रिश्वत की मांग की थी। कई बार अनुरोध के बाद भी सप्लाई आफिसर बिना पैसा लिये काम करने को तैयार नहीं था। जिसके बाद

पीड़ित पक्ष ने इसकी शिकायत एसीबी से कर दी। एसीबी ने अपने स्तर से जांच की, तो शिकायत सही पायी। जिसके बाद एसीबी ने कारवाई करते हुए घूसखोर अफसर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जांच के बाद मामला सही पाया गया और फिर कारवाई करते हुए खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी को 10 हजार रूपए कि रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। एसीबी गिरफ्तार सप्लाई अफसर को अपने साथ ले गयी है। जहां उससे पूछताछ चल रही है। माना जा रहा है कि इस मामले में और भी कुछ जानकारी मिल सकती है।

## डीसी- एसपी ने शराब का सेवन करते हुए आठ युवक को

# रंगे हाथ धर दबोचा, कारवाई का दिया निर्देश

**एनपीटी ब्यूरो**

पाकुड़ डीसी- एसपी ने शराब का सेवन करते रंगे हाथ कई युवक को दर्द पहुंचा। दरअसल उपयुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस से अधीक्षक प्रभात कुमार के द्वारा देर शाम रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम परिसर का स्टेडियम कैंपस में और चेक बीमारी की इस दौरान स्टेडियम परिसर के कैंपस में आज युवकों को शराब सेवन करते हुए रंगे हाथ डीसी एसपी ने दर्द पहुंचा जिसे नगर थाना के हवाले कर आग्रह कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डीएन आजाद ने साझा करते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पाकुड़ डीसी एसपी के द्वारा संयुक्त रूप से रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम में छापेमारी की गई। इस दौरान नव निर्मित स्टेडियम बिल्डिंग कैंपस में लगभग 8 युवक को शराब का सेवन करते हुए डीसी - एसपी ने रंगे हाथ धर दबोचा।

शराब का सेवन करते हुए पकड़े गये आठों युवक को नगर थाना के हवाले कर डीसी- एसपी ने अग्रेत्तर कारवाई करने का निर्देश दिया। आपको बता दे डीसी मनीष कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मीडिया को बीते दिनों साझा किया गया था कि जिले में कहीं भी नशीली पदार्थ का सेवन या विक्रय हो तो सूचित करे, ताकि उस पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया जा सके। वही महज दो महीना पहले ही रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम का रंग- रोगन सहित निर्माण कार्य भी कराया गया था, जो स्टेडियम की सौंदर्यीकरण की झलक 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर ही देखने को मिला था। स्टेडियम का रूप रंग देख कर उपस्थित सभी लोग, अधिकारी व मंत्री भी तारीफ की और जिला प्रशासन समेत मेकिंग मान को भी धन्यवाद ज्ञापित किया था। लेकिन असामाजिक तत्वों के द्वारा इन स्टेडियम को बदनुमा बनाने का शायद प्रयास किया जा रहा है, जिसका नतीजा है कि शराब का सेवन करते हुए डीसी- एसपी के द्वारा रंगे हाथ पकड़े जाना। जो अपने आप में प्रश्न चिन्ह लगाता है।

# सेना के हवलदार सूरज राय को गिरफ्तार कर भेजा जेल, सैनिकों ने कारवाई को बताया गलत

**एनपीटी ब्यूरो**

जमशेदपुर, जुगसलाई पुलिस द्वारा सेना के हवलदार सूरज राय को गिरफ्तार कर जेल भेजने का मामला तूल पकड़ लिया है। इस मामले में रिटायर फौजियों ने तीखी नाराजगी जताई है। साथ ही डीसी को ज्ञापन सौंपकर सेना के हवलदार को फौरन रिहा करने की मांग की है। पूर्व सैनिकों ने मांग की है कि सूरज राय को बिना शर्त तत्काल रिहा किया जाये और मामले की न्यायिक जांच कराई जाए। झूठे आरोप हटाने और दोषी पुलिसकर्मियों पर अनुशासनात्मक कारवाई करने की भी मांग की। जानकारी के मुताबिक 14 मार्च को जुगसलाई थाने के ड्राइवर छोटू बिल्ला और हवलदार सूरज राय के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद थाना प्रभारी ने फौजी को बुलाकर शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के हथकड़ी लगाकर जेल भेज दिया। पूर्व सैनिकों ने इस कार्रवाई को गलत बताते हुए कहा कि सेना के जवान को गिरफ्तार करने से पहले उसकी यूनिट (जम्मू) या स्थानीय सेना इकाई को सूचित करना जरूरी था, लेकिन पुलिस ने यह नियम तोड़ दिया।

गिरफ्तारी को लेकर विवाद बढ़ने के बाद कोल्हान डीआईजी मनोज रतन चौथे सोमवार को जुगसलाई थाना पहुंचे। उन्होंने एसएसपी किशोर कौशल, सिटी एसपी कुमार शिवाशीष और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में मामले की जांच की। डीआईजी ने थाना प्रभारी, ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों और गश्ती दल से पूछताछ की। उन्होंने घटना स्थल का भी निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से जानकारी ली।

# ट्रैक्टर की ट्रॉली से टकराने से दो बाइक सवार युवक की मौत

पाकुड़ (झा०खं०), पाकुड़ जिले के महेशपुर क्षेत्र में लगातार सड़क हादसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को भी महेशपुर क्षेत्र के गुम्मा मोड़ मुख्य सड़क पर घाटचोरा स्थित डिग्री कॉलेज के पास चलती हुई ट्रैक्टर की ट्रॉली बाइक सवार से टकराने से बाइक में सवार दो युवक की मौत हो गई। इस एक्सीडेंट में भी दोनों युवकों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। जानकारी के अनुसार युवक की पहचान शहरी गांव के संथाल टोला निवासी नेमु लाल सोरेन उम्र करीब 18 वर्ष और इनु सोरेन उम्र करीब 18 वर्ष के रूप में की गई है। हादसा होने के पश्चात स्थानीय लोगों की उक्त स्थल पर भीड़ इकट्ठी हो गई। स्थानीय लोगों ने महेशपुर थाना को इसकी सूचना दी सूचना मिलते ही थाना के पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों युवकों को महेशपुर के स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचाया गया। परन्तु दोनों युवकों की जान नहीं बच सकी। डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। वही जानकारी के अनुसार दोनों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पाकुड़ भेज दिया गया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इस सड़क हादसे के कारण दोनों युवकों के परिजन बेहद सदमे में है और रो-रोकर बुरा हाल है।

# अलग-अलग वृतांत को ले मालपहाड़ी ओपी में दो प्राथमिकी दर्ज, कारवाई जारी

**एनपीटी ब्यूरो**

अलग-अलग घटना को ले मालपहाड़ी ओपी थाना में विभिन्न सुसंगत धाराओं के साथ अलग-अलग दो प्राथमिकी दर्ज की गई है। दरअसल मालपहाड़ी ओपी थाना प्रभारी अंशू कुमार उपाध्याय के मुताबिक वादी अनिल हेंब्रम ( पिता- स्वर्गीय कुबराज हेंब्रम, ग्राम रंगामाटीया, थाना- मालपहाड़ी ओपी) के टंकित आवेदन के आधार पर वादी के साथ धक्का मुकी, मारपीट, गाली गलौज एवं जान मारने की धमकी देने के आरोप में प्रधान मुर्मू (पिता बावला मुर्मू) एवं अन्य 07 प्राथमिकी नामजद अभियुक्त के विरुद्ध धारा- 126(2)/115(2)/352/351(3)/3(5) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेत्तर कारवाई की जा रही है। साथ ही एक अन्य घटना की जानकारी साझा करते हुए थाना प्रभारी अंशू कुमार उपाध्याय ने बताया कि वादी उत्तम कुमार मंडल (पिता स्वर्गीय छत्रधर मंडल, सा०- चांडालमारा थाना महेशपुर, वर्तमान सीता पहाड़ी पंचायत में) पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत के टंकित आवेदन के आधार पर वादी के साथ लपर-थप्पड़, मारपीट, गाली गलौज एवं जबरन मकान का सर्वे एवं सरकारी कार्य में बाधा पहचाने के आरोप में प्राथमिकी नामजद अभियुक्त मोहम्मद हैदर अली (पिता आकीमुद्दीन शेख, ग्राम सीतापहाड़ी थाना मालपहाड़ी ओपी, जिला पाकुड़ के विरुद्ध धारा- 126(2)/115(2)/132/352 बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेत्तर कारवाई की जा रही है।

# जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, निदान को ले दिया कई आवश्यक दिशा- निर्देश

**एनपीटी ब्यूरो**

लातेहार (झा०खं०), लातेहार उपायुक्त सह- जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एकझएक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जायेगा। जन शिकायत निवारण में लगभग 13 आवेदन प्राप्त हुए जो मुख्य रूप से नियुक्ति, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा से संबंधी जुड़े आवेदन आये। इस दौरान कुछ आवेदकों की समस्याओं का निष्पादन आन द स्पॉट किया गया और शेष आवेदकों के समस्याओं का यथाशीघ्र निष्पादन के लिए सम्बन्धित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निदेशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए , समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करें। उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है। पर खानापूर्ति बन कर रह जाता है।

## अनियंत्रित बेलोरो ने बाइक सवार को मारी टक्कर, तीन घायल

एनपीटी ब्यूरो, लातेहार ( झा०खं०), लातेहार जिला अन्तर्गत बालूमाथ पुलिस अनुमंडल क्षेत्र के बारीखाप ग्राम के समीप मंगलवार को एक अनियंत्रित बोलेरो ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दिया। जिससे दुर्घटना में बाइक में सवार सकेन्द्र गंझू 35 वर्ष पिता साहेब गंझू एवं उसकी पत्नी देवंती देवी 30 वर्ष, पुत्री सपना कुमारी 17 वर्ष, तीनों ग्राम बनवार थाना बरियातू निवासी गगंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद सभी घायलों को स्थानीय लोगो की मदद से बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। जहां डॉक्टर अलीशा टोप्पो के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार तीनों अपने बाइक से बालूमाथ अस्पताल इलाज कराने आ रहे थे, तभी बारीखाब के पास यह घटना हुई।

## पंचायत सचिव उत्तम कुमार मंडल द्वारा लगाया गया इल्जाम बेबुनियाद है - हैदर अली

**एनपीटी ब्यूरो**

पाकुड़ प्रखण्ड के उप प्रमुख हैदर अली ने बताया कि पंचायत सचिव उत्तम कुमार मंडल के द्वारा लगाया गया आरोप सरासर झूठ है। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ ग्राम पंचायत सीतापहाड़ी के पंचायत सचिव उत्तम कुमार मंडल के द्वारा लपर-थप्पड़, मारपीट, गाली गलौज एवं जबरन मकान का सर्वे एवं सरकारी कार्य में बाधा पहचाने का लगाया गया इल्जाम/आरोप बेबुनियाद है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से पीएम आवास दिलाने के नाम पर जियो टैग हेतु ?200 करके पंचायत सचिव उत्तम कुमार मंडल ग्रामीणों से ले रहा था, जिसका विरोध करने से बाताबाती हुई। लेकिन हमारे खिलाफ झूठा आरोप लगाकर बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उपायुक्त, पाकुड़ से मुलाकात कर वस्तु स्थिति से अवगत कराया जायेगा। साथ ही वृतांत को ले आवश्यक कारवाई की मांग की जायेगी। जिससे हकिकत प्रकाश में आये और दोषी पर उचित कारवाई हो सके। बाहरेहाल जो भी हो आवश्यक कार्रवाई के पश्चात ही हकीकत पर पदार्फाश होने की सम्भावना जताई जा रही है।

## उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला भू-अर्जन के लंबित परियोजनाओं की हुई समीक्षा

पाकुड़ (झा०खं०), समीक्षा के क्रम में उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा सम्बन्धित रैयतों को यथाशीघ्र मुआवजा भुगतान हेतु शिविर लगाने का निर्देश दिया गया। पाकुड़ बाइपास परियोजना में यथाशीघ्र संबंधित कागजात संग्रहन हेतु अंचलाधिकारी पाकुड़ एवं जिला भू-अर्जन कार्यालय के कर्मियों को निर्देश दिया गया। बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री अजय सिंह बड़ाईक समेत अन्य उपस्थित थे।

# ट्रक में चढ़ने के दौरान हाइवा ने खलासी को मारा धक्का, हुई मौत

**एनपीटी ब्यूरो**

पाकुड़ ( झा०खं०), पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के करीब 20 वर्षीय अब्दुल बारीक हादसे का शिकार हो गया। जिसे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शाहबाजपुर गांव के 20 वर्षीय अब्दुल बारीक ( पिता - मोफीजुल शेख) ट्रक में खलासी कर रहा था और महेशपुर थाना क्षेत्र के शहर ग्राम के नजदीक पटना वाले क्रेशर के निकट दरवाजा खोलकर ट्रक में चढ़ने ही जा रहा था कि हायवा संख्या जेएच 16जी 5148 पीछे से आकर जोरदार धक्का मारा। जिसे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर आए और छानबीन शुरू की। वही मृतक के परिजनों ने बताया कि अब्दुल बारीक ट्रक में खलासी करता है और वह ट्रक में पत्थर लोडिंग के लिए गया हुआ था। लेकिन पटना वाले क्रेशर के समीप वो ट्रक का दरवाजा खोलकर ट्रक में चढ़ ही रहा था कि हाइवा संख्या- जेएच 16जी 5148 ने पीछे जोरदार धक्का मारा, जिससे उनकी मौत हो गई। वही समाचार लिखे जाने तक पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस आगे की कारवाई कर रही थी।

# 21 वर्षों से बंद शहीद भगत सिंह पुस्तकालय, शिक्षा के मंदिर को खोलने की दरकार

**एनपीटी ब्यूरो**

लातेहार ( झा०खं०), लातेहार जिला के बारियातू प्रखण्ड मुख्यालय स्थित एनएच-99 किनारे, वर्ष 2004-05 में जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने एवं क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए शहीद सरदार भगत सिंह पुस्तकालय सह- वाचनालय का निर्माण किया गया था। लेकिन 21 वर्षों से यह भवन शोभा की वस्तु बनकर रह गया है। न तो विद्यार्थी इसका लाभ उठा पा रहे हैं और न ही क्षेत्र के बुद्धिजीवी वर्ग को अध्ययन का अवसर मिल रहा है। पुस्तकालय भवन की उपेक्षा और अनधिकृत उपयोगः स्थानीय लोगों के अनुसार, निर्माण के बाद यह पुस्तकालय कभी भी नियमित रूप से संचालित नहीं हुआ। वर्ष 2009 से 2020 के बीच यह भवन कुछ लोगों द्वारा निजी कार्यों के लिए उपयोग किया जाता रहा। इसके बाद, 16 वर्षों तक बंद रहने के बाद, वर्ष 2021 में तत्कालीन

उपायुक्त अबु इमरान ने जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार के माध्यम से इसे पुनः रंग-रोगन करवाकर चालू करवाया। 2021 में पुस्तकालय को सक्रिय करने के लिए एक भव्य क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से 50 विद्यार्थियों (25 लड़के और 25 लड़कियां) ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग की छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। लेकिन वर्ष 2022 में उपायुक्त अबु इमरान का तबादला होते ही पुस्तकालय फिर से बंद कर दिया गया। 15 हजार विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का बड़ा नुकसानः बारियातू प्रखंड में शिक्षा की स्थिति दयनीय बनी हुई है। प्रखंड में कुल 94 विद्यालय, एक प्लस टू स्कूल, चार हाई स्कूल और एक झारखण्ड आवासीय विद्यालय हैं, लेकिन एक भी निजी इंटर कॉलेज या डिग्री कॉलेज नहीं है। ऐसे में उच्च शिक्षा प्राप्त करना विद्यार्थियों, खासकर छात्राओं के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। यदि पुस्तकालय नियमित रूप से संचालित होता, तो क्षेत्र के करीब 15 हजार विद्यार्थी और स्थानीय बुद्धिजीवी इसका लाभ उठा सकते थे। जनप्रतिनिधियों से कार्रवाई की मांगः अब स्थानीय विद्यार्थियों, शिक्षकों और बुद्धिजीवियों ने विधायक प्रकाश राम और उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता से मांग की है कि पुस्तकालय को पुनः चालू किया जाए और उसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। शिक्षा के मंदिर को खोलने की जरूरतः जिस उद्देश्य से इस पुस्तकालय का निर्माण हुआ था, वह अभी तक अधूरा ही है। यदि जिला प्रशासन उचित कदम उठाए तो यह पुस्तकालय विद्यार्थियों के भविष्य को संवार सकता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस ओर कब संज्ञान लेता है और शिक्षा के इस बंद दरवाजे को कब खोला जाता है।

# 50 मिनट तक शहर के ऊपर चक्कर काटती रही कोलकाता की फ्लाइट, हिंडन एयरपोर्ट पर होनी थी लैंड

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

गाजियाबाद। ऐसा नहीं कि फ्लाइट लेट थी, शहर में फ्लाइट सुबह नौ बजे ही आ गई थी लेकिन फ्लाइट रनवे की ओर जाने की बजाय शहर के ऊपर ही चक्कर काटती रही।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में मंगलवार सुबह नौ बजे एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट 50 मिनट तक शहर के ऊपर चक्कर काटती रही। बताया जा रहा है कि ऐसा रूट क्लियरेंस न होने की वजह से हुआ। एयरलाइंस कंपनी की ओर से भी रूट

क्लियरेंस न होने की बात कही गई है। मंगलवार सुबह नौ बजे एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट हिंडन एयरपोर्ट पर लैंड होनी थी, लेकिन यह 9:50 पर लैंड हुई। ऐसा नहीं कि फ्लाइट लेट थी, शहर में फ्लाइट सुबह नौ बजे ही आ गई थी लेकिन फ्लाइट रनवे की ओर जाने की बजाय शहर के ऊपर ही चक्कर काटती रही। एयरपोर्ट निदेशक ने बताया कि क्लियरेंस न मिलने की वजह से फ्लाइट समय पर नहीं उतर सकी। उन्होंने बताया कि एयरलाइंस कंपनी की ओर से उन्हें बताया गया कि कोई तकनीकी दिक्कत नहीं थी बल्कि रूट क्लियरेंस न होने की वजह से विमान देरी से उतरा।

# भारतीय मानक ब्यूरो ने नोएडा में बड़ी छापेमारी कर जब्त किया लगभग तीन करोड़ का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

## मानकों का उल्लंघन करने वाली कंपनी के खिलाफ हुई कार्रवाई

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

नोएडा, 18 मार्च 2025 झ भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा एक बड़ी छापेमारी करते हुए नोएडा स्थित मेसर्स एजलेस टेक्नॉलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम से लगभग तीन करोड़ का माल जब्त किया गया। जब्त किए गए 2300 वस्तुओं की कीमत 2.95 करोड़ है। गुप्त सूचना पर छापामारी करने के भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी द्वारा मानकों का उल्लंघन करते हुए गैर-कानूनी रूप से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का भंडारण और विक्रय किया जा रहा था।

छापेमारी के दौरान, विभिन्न प्रकार के वायरलेस माइक्रोफोन और इलेक्ट्रॉनिक पावरबैंक पाए गए, जो बिना आवश्यक लाइसेंस और बिना बीआईएस मार्क के थे। विशेष रूप से, इन वस्तुओं का क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर के तहत पंजीकरण नहीं किया गया था, जो भारतीय मानक ब्यूरो के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। इन वस्तुओं का कुल मूल्य लगभग 2.95 करोड़ रुपये आंका गया है।

इस छापेमारी और जब्ती अभियान का नेतृत्व बीआईएस नोएडा शाखा के उप निदेशक हर्षित कुमार जैन, उप निदेशक विष्णु दयाल जत, सहायक निदेशक रसुजीत चोंग्डर, आकाश कुमार यादव और दीपक कुमार द्वारा किया गया। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि जब्त की गई सभी वस्तुओं को सील कर दिया गया है और अब कंपनी के खिलाफ बीआईएस अधिनियम, 2016 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और मानक के अनुसार प्रमाणित उत्पाद मिलें।

# जिम ट्रेनर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, चेंजिंग रूम में मिला शव

## काफी देर से दरवाजा था बंद

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

इंदिरापुरम। पुलिस का कहना है कि मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर पता चल पाएगी। ट्रेनर अपनी ड्यूटी पूरी करके जिम कर रहा था। कुछ देर बाद वह चेंजिंग रूम में चला गया था। जहां वह साथी कर्मचारियों को बेसुध अवस्था में पड़ा मिला।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के शक्तिखंड दो स्थित फिटनेस वन जिम के ट्रेनर न्यायखंड-तीन निवासी गणेश शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव जिम के अंदर बने चेंजिंग रूम में पड़ा मिला।

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार की देर रात करीब नौ बजे गणेश अपनी ड्यूटी पूरी करके जिम कर रहे थे। कुछ देर बाद वह चेंजिंग रूम में गए और काफी देर तक बाहर नहीं निकले। जिम मालिक नोएडा निवासी ओमप्रकाश और उनके अन्य कर्मचारियों ने दूसरे चेंजिंग रूम में से कूदकर दरवाजा खोला और गणेश को तुरंत उठाकर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने जिम ट्रेनर को मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर पता चल पाएगी।

# हनुमान जन्मोत्सव की तैयारी हेतु निशान यात्रा

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

शालीमार गार्डन। आगामी 11-12अप्रैल में होने वाले श्री हनुमान जन्मोत्सव व अखंड रामायण पाठ हेतु श्री राम जी व हनुमान जी का आशीर्वाद व अनुमति लेने की लिए शाम 7:00 बजे निशान यात्रा निकाली गई। यात्रा गेट न.2 से प्रारंभ हो कर पूरी कॉलोनी का चक्कर लगाते हुए गौरी शंकर मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर हनुमान जी को चोला चढ़ा कर प्रसाद वितरण किया गया।

# आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान सोसायटी के लोग, डॉग लवर देते हैं धमकी

## SHO को पत्र लिख मांगी मदद

नोएडा । नोएडा में आवारा कुत्तों के काटने की घटना कम नहीं हो रही है। आए दिन किसी ना किसी सोसायटी में बच्चों, महिलाओं या बुजुर्ग पर हमले की खबर सामने आ जाती है। नोएडा की गार्डेनिया गेटवे सोसायटी के लोगों ने पुलिस से शिकायत कर मदद मांगी है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। नोएडा की गार्डेनिया गेटवे सोसायटी में कुत्ते के हमलों के बढ़ने के बाद लोगों ने स्थानीय पुलिस से शिकायत कर मदद मांगी है। सोसायटी के परिसर, पार्क, पार्किंग या फिर बेसमेंट में अचानक कुत्ते हमला कर देते हैं। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। इन घटनाओं की वजह से सोसायटी में रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है।

नोएडा सेक्टर 75 स्थित गार्डेनिया गेटवे सोसायटी के लोगों ने पुलिस से शिकायत करते हुए कहा कि हम अपनी सोसायटी में जमा हुए आवारा कुत्तों से परेशान और आतंकित हैं। ये आवारा कुत्ते सोसायटी के छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर अचानक हमला कर देते हैं। इनमें से कई लोग हाल ही में गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। ये आवारा कुत्ते अब रोजाना स्थानीय लोगों को काटते हैं और बच्चों का पार्क में खेलना और महिलाओं और पुरुषों का अपनी सोसायटी के परिसर में टहलना मुश्किल हो रहा है।

हममें से कोई भी इन आवारा कुत्तों का दुश्मन नहीं है, लेकिन जब बात छोटे बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों या अपने परिवार के किसी सदस्य की जान जोखिम में डालने की आती है, तो कृपया हमें इन आवारा कुत्तों के आतंक से निपटने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों का निर्देश दें।

हमने कई बार विरोध किया और इन कुत्तों को यहां से भगाने का प्रबंध भी किया लेकिन नोएडा के तथाकथित कुत्ता प्रेमी सोसायटी में आकर हमें धमकाने लगे कि अगर हमने इन आवारा कुत्तों के साथ बुरा व्यवहार किया या इन्हें यहां से भगाया तो हमसे बुरा कोई नहीं होगा। सोसायटी के सभी निवासी बहुत ही भ्रमित और भयभीत हैं कि इस गंभीर और खतरनाक समस्या से कैसे निजात पाया जाए?

रिपोर्ट के मुताबित, हाल ही में रेडिकॉन वेदांतम सोसायटी में भी आवारा कुत्तों से लोग परेशान हैं। यहां सोसायटी के परिसर में कुत्तों ने तीन दिनों में पांच लोगों पर हमला किया। बीते शनिवार को दो महिलाओं को काट लिया था। वहीं इससे एक दिन पहले ही शुक्रवार को एक पुरुष की कमर पर कुत्ते ने हमला कर दिया था। परिसर के बेसमेंट में कुत्तों ने अपना अड्डा बना रखा है। ग्रेटर नोएडा में शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

# दुष्कर्म कर बच्ची की जान ली पिता ने जेल भेजी गई पड़ोस की बेगुनाह महिला

लोनी। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में 12 मार्च को सात साल की बच्ची की मौत पड़ोस के घर से आई कढ़ी खाने से नहीं हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तीन दिन चली पुलिस की जांच से पता चला है कि बच्ची के साथ उसके पिता ने दुष्कर्म किया था। इस घिनौनी करतूत को छिपाने के लिए उसने ही गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर कढ़ी खाने से मौत की झूठी कहानी बनाकर पड़ोस की महिला के खिलाफ फर्जी केस दर्ज करा दिया।

इसी केस के आधार पर पुलिस ने महिला को बीएनएस के तहत गैर इरादतन हत्या की धारा 105 में कोर्ट में पेश किया। वहां से जेल भेज दिया गया था। सच सामने आने पर पुलिस ने सोमवार को बच्ची के 52 साल के पिता को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही जेल में बंद महिला की बेगुनाही की रिपोर्ट कोर्ट में पेश कर दी गई है। कोर्ट का आदेश होने पर ही महिला की रिहाई हो सकेगी।

एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि नामजद महिला 14 मार्च की दोपहर को जेल भेज दी गई थी। जिला एमएमजी अस्पताल से पोस्टमार्टम रिपोर्ट 14 की रात में मिली। इससे ही पता चला कि बच्ची की मौत गला घोंटे जाने से हुई है और उसके साथ दुष्कर्म भी किया गया। इससे यह भी साफ हो गया कि उसके पिता ने कढ़ी खाने की झूठी कहानी बनाई।

बच्ची के परिवार के लोगों से अलग-अलग की गई पूछताछ के बाद शक की सुईं पिता पर जाकर टिक गई। उससे की गई लंबी पूछताछ के बाद सच सामने आ गया। उसने कुबूल किया की कढ़ी की कहानी पूरी तरह से फर्जी थी। पड़ोस के घर से कढ़ी आई जरूर थी लेकिन उसे किसी बच्चे ने नहीं खाया था।

# जीडीए की सीमा में शामिल होंगे नए गांव

गाजियाबाद। जीडीए की 168वीं बोर्ड बैठक मंगलवार को मेरठ में होगी। बैठक में प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के विस्तारीकरण समेत 14 प्रस्ताव एजेंडे में शामिल किए गए हैं। मधुबन-बापूधाम योजनाो प्रभावित 762 किसानों को छह फीसदी के हिसाब से विकसित भूखंड देना, दिल्ली-मेरठ व ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के किनारे बसे जिले के 61 गांवों को शामिल करने, 35 साल पहले बने तुलसी निकेतन के जर्जर आवासों को तोड़कर आवंटियों को नया भवन देने का प्रस्ताव प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। इसके साथ ही भू-उपयोग परिवर्तन का भी प्रस्ताव एजेंडे में शामिल किया गया है। जीडीए वीसी अतुल वत्स ने बताया कि बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र विस्तारीकरण की योजना बनाई गई है। नए औद्योगिक क्षेत्रों के लिए जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के किनारे डासना से मेरठ की सीमा के बीच बसे 32 गांव और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के किनारे 29 गांवों के प्राधिकरण के विकास क्षेत्र में शामिल करने के लिए प्रस्ताव बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। इनमें चार गांव गाजियाबाद तहसील और 57 गांव मोदीनगर तहसील में आते हैं। इन गांवों के शामिल होने से क्षेत्र का जहां सुनियोजित विकास होगा वहीं, औद्योगिक क्षेत्रों को भी विकास की रफ्तार मिलेगी।

# ग्रेटर नोएडा में चलती कार में लगी आग चालक ने कूदकर बचाई जान

ग्रेटर नोएड। बिसरख कोतवाली पुलिस के अनुसार हादसा गौर सिटी चौक के पास हुआ। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौर चौक पर सोमवार शाम साढ़े सात बजे एक चलती टाटा हैरियर कार में अचानक आग लग गई। गाड़ी में आग लगते ही चालक ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी दमकल विभाग और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी।

बिसरख कोतवाली पुलिस के अनुसार हादसा गौर सिटी चौक के पास हुआ। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार में आग लगते ही चालक ने समझदारी दिखाते हुए गाड़ी रोक दी और बाहर कूद गया। कुछ ही मिनटों में पूरी गाड़ी आग की लपटों में घिर गई। राहगीरों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आग लगने की असल वजह क्या थी।

# इफ्तारी के बाद दो पक्षों में पथराव, 18 पर मुकदमा, सात गिरफ्तार

**नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो**

खोड़ा। थानाक्षेत्र के लोकप्रिय विहार स्थित नूरानी मस्जिद के पास 16 मार्च की देर रात करीब 10 बजे आमने-सामने रहने वाले इमरान और नूर मोहम्मद के बीच झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर पथराव और लाठी-डंडे चले। काम से लौटने वाले लोगों को जान बचाने के लिए गाड़ी और बिजली के खंभे की आड़ का सहारा लेना पड़ा।

इस दौरान गली में खड़ी एक कार क्षतिग्रस्त हुई। वहीं दोनों पक्ष के तीन लोग घायल हो गए। इमरान पक्ष की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से विवाद करने वाले सात लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं, दरोगा सूर्य प्रताप की तहरीर पर 13 लोगों को नामजद करते हुए करीब 18 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 191 (2) समेत आठ धाराओं को शामिल किया गया है।

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि रविवार को गली नंबर पांच निवासी इमरान, समीर और साहिल से उन्हीं की गली में रहने वाले वसीम, नदीम, राशिद, फैसल ने मारपीट की थी। गंभीर रूप से चोटिल होने के बाद इमरान ने थाने में शिकायत दी तब पुलिस ने उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए एमएमजी अस्पताल भेज दिया। बताया कि चोटिलों का उपचार चल ही रहा था कि उसी दौरान इमरान के अन्य परिजन दूसरे पक्ष के घर पहुंचे और कहासुनी व झगड़ा करने लगे। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि

दूसरे पक्ष ने पत्थर की टाइल्स और लाठी-डंडों से हमला कर मारपीट शुरू कर दी। दोनों पक्षों में जमकर पथराव हुआ। हालात इतने बिगड़ गए कि अपनी दिहाड़ी करके लौट रहे श्रमिकों व स्थानीय लोगों को खुद को बचाना भारी पड़ गया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने उपद्रव कर रहे दूसरे पक्ष के राशिद, नूर मोहम्मद, नदीम और निजाम को गिरफ्तार किया। साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर हालात पर काबू पाया। वहीं पथराव में घायल हुए सलीमुद्दीन को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। साथ ही विवाद में क्षतिग्रस्त हुई कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

सहरी से शुरू हुआ विवाद

पुलिस के अनुसार जिस गली में विवाद हुआ वह करीब 11.5 फुट की है। गली में चार पहिया वाहन लगने से पैदल आवाजाही में परेशानी होती है। रविवार को सहरी के दौरान दूसरे पक्ष की गाड़ी लगे होने से आवाजाही में परेशानी हो रही थी जिस पर सुबह दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। इमरान पक्ष के लोग इफ्तारी के बाद दूसरे पक्ष के पास कहासुनी को लेकर बातचीत करने पहुंचे थे। हालांकि बात इतनी बढ़ गई कि मारपीट और उपद्रव तक पहुंच गई।

एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया मामले में पुलिस खुद वादी बनी है। इसमें लोक प्रिय विहार निवासी आस मोहम्मद, इरफान, परवेज, परवेज का छोटा भाई, राशिद, नूर मोहम्मद, नदीम, सलीमुद्दीन, वसीम, फैसल, मोहम्मद कैफ, निजाम और आरिफ को नामजद किया गया है। वहीं करीब चार-पांच लोग अज्ञात हैं। इनमें से इमरान, समीर, राशिद, नूर मोहम्मद, नदीम, निजाम और आरिफ को गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। इन सभी पर बीएनएस के तहत दंगे की धारा 191 (2), दूसरों की जान को खतरे में डालने की धारा 125, समूह में एकत्र होकर गैरकानूनी अपराध करने की धारा 190, जानबूझकर संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धारा 324 समेत आठ धाराएं लगाई गई हैं।

सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जो चोटिल थे उनका प्राथमिक उपचार चल रहा है। हालांकि तबीयत में सुधार है। वहीं जो लोग भागे हुए हैं, उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

**अभिषेक श्रीवास्तव, एसीपी इंदिरापुरम**

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com
नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।